सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 161 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 26 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गरियाबंद में कच्चे हीरों की तस्करी का खुलासा, ग्राहक तलाशते पकड़ा गया आरोपी

गरियाबंद। जिले में अवैध हीरा तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ओडिशा के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से लाखों रुपये के बहुमूल्य हीरे बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 24 मार्च 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से हीरे लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना सिटी कोतवाली और साइबर टीम को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। टीम ने ग्राम नहरगांव तिराहा के पास घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसकी पहचान बंशीधर सेठी (50 वर्ष), निवासी कालाहांडी, ओडिशा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 34 नग छोटे-बड़े हीरे बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 9.20 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

सीजीपीएससी प्रीलिम्स का रिजल्ट जारी, 3921 उम्मीदवार सफल

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। परिणाम जारी होते ही अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है और चयनित उम्मीदवार अब अगले चरण की तैयारी में जुट गए हैं। आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष कुल 3921 अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता हासिल की है। ये सभी अभ्यर्थी अब मुख्य परीक्षा में शामिल होंगे, जो चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है। आयोग ने मुख्य परीक्षा की तिथियां भी घोषित कर दी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य परीक्षा 16 मई से 19 मई 2025 के बीच आयोजित की जाएगी। ऐसे में अभ्यर्थियों के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, जिसे देखते हुए उन्हें योजनाबद्ध अध्ययन पर ध्यान देना होगा। परिणाम आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पीडीएफ प्रारूप में उपलब्ध कराया गया है। इस सूची में चयनित अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक (रोल नंबर), जन्मतिथि, वर्ग (श्रेणी) और कटऑफ अंक जैसी आवश्यक जानकारी दी गई है, जिससे अभ्यर्थी आसानी से अपना परिणाम देख सकते हैं।

वंदे भारत में खराब खाना देना पड़ा भारी, आईआरसीटीसी और सर्विस प्रोवाइडर पर 60 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को खराब खाना परोसे जाने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कुल 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रेलवे ने अपनी ही कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) पर 10 लाख रुपये का दंड ठोका, जबकि संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख रुपये का जुर्माना और कॉन्ट्रैक्ट समाप्त करने का आदेश दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक 15 मार्च 2026 को पटनाङ्कटाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 21896) में यात्रियों ने भोजन की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई। रेलवे ने मामले की जांच की, जिसमें शिकायतें सही पाई गईं। इसके बाद आईआरसीटीसी और सर्विस प्रोवाइडर दोनों के खिलाफ आर्थिक दंड और कॉन्ट्रैक्ट समाप्ति जैसे कड़े कदम उठाए गए। दोनों पर 60 लाख रुपए का जुर्माना किया गया।

आईआरसीटीसी रोजाना परोसती है 15 लाख से अधिक यात्रियों को खाना

आईआरसीटीसी प्रतिदिन अपने विशाल नेटवर्क में 15 लाख से अधिक यात्रियों को ट्रेन में खाना (वेज/नॉन-वेज) उपलब्ध कराती है। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर फूड प्लाजा और रिटायरिंग रूम में भी खाने की सुविधा आईआरसीटीसी प्रदान करती है। इस घटना से रेलवे ने यह संदेश साफ कर दिया है कि गुणवत्ता और सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

रेलवे ने दिए निर्देश

अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकता है। इस मामले में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि भविष्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दो साल में 3000 नक्सलियों का सरेंडर, दो हजार से ज्यादा गिरफ्तार, 500 से ज्यादा ढेर

जगदलपुर में प्रेस वार्ता के दौरान डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने साझा की महत्वपूर्ण जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ तेजी से नक्सलमुक्त होने की दिशा में बढ़ रहा है। एक दिन पहले बुधवार को कुख्यात नक्सली पापा राव सहित 18 नक्सलियों ने हथियार डाले। आकंड़ों की बात की जाए तो बीते दो वर्षों में 3000 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर कर पुनर्वास को अपनाया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बुधवार को जगदलपुर में प्रेस वार्ता के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में सीसी मेंबर से लेकर विभिन्न स्तरों के कैडर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 2 हजार से अधिक नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई है तथा लगभग 500 से अधिक नक्सली मुठभेड़ों में निष्प्रभावी (न्यूट्रलाइज) किए गए हैं।

डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा बीते दो सालों में 5000 से अधिक सशस्त्र कैडर में कमी आई है, जो नक्सल संगठन की रीढ़ को कमजोर करने वाला निर्णायक कारक सिद्ध हुआ है। वर्तमान स्थिति में डीकेजेडसी स्तर का कोई सक्रिय माओवादी छत्तीसगढ़ में शेष नहीं है और केवल 30 से 40 की सीमित संख्या में नक्सली उत्तर एवं दक्षिण के दूरस्थ क्षेत्रों में बचे हैं, जिनके भी शीघ्र पुनर्वास करने की संभावना व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियानों का परिणाम नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और पुनर्वास नीति की सफलता का भी परिचायक है। प्रेसवार्ता के दौरान इस महत्वपूर्ण अवसर पर मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंहदेव, डीजीपी अरुण देव गौतम, पुलिस महानिदेशक एंटी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद, नक्सल उन्मूलन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, एडीजी सीआरपीएफ, बस्तर कमिश्नर, आईजी सुंदरराज पी., बीजापुर के पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सुरक्षा बलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

31 मार्च तक नक्सलमुक्त हो जाएगा छत्तीसगढ़ : डिप्टी सीएम

डिप्टी सीएम शर्मा ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा कि राज्य सरकार, केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के समन्वित एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अगस्त 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा घोषित समय-सीमा के अनुरूप राज्य सरकार ने एक सुनियोजित रणनीति के तहत कार्य किया, जिसका सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है।

यह जिले हुए नक्सलमुक्त

डिप्टी सीएम ने कहा कि बस्तर संभाग सहित कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद जैसे जिले, जो कभी नक्सल प्रभाव से प्रभावित रहे थे, अब पूरी तरह इस समस्या से मुक्त हो चुके हैं। बस्तर का लगभग 95 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुका है।

विकास केंद्रों में बदलेंगे कैंप

डिप्टी सीएम ने बताया कि बस्तर के आंतरिक क्षेत्रों में स्थापित लगभग 400 सुरक्षा कैंपों को चरणबद्ध तरीके से विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। भविष्य में ये कैंप थाना, स्कूल, अस्पताल तथा लघु वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण केंद्रों के रूप में कार्य करेंगे, जिससे स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

जीएसटी विभाग का एक्शन

रायपुर में चार ठिकानों पर छापा, फर्जी बिलिंग के बड़े खेल की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में स्टेट जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए भैंसथान इलाके के अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में स्थित दो व्यापारिक फर्मों पर एक साथ छापेमारी की है। इस कार्रवाई से कारोबारी हलकों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, राज्य जीएसटी विभाग छत्तीसगढ़ की करीब 10 सदस्यीय टीम ने लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स से जुड़े चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। यह कार्रवाई पहले से मिली शिकायतों और इनपुट के आधार पर की गई।

जांच के दौरान अधिकारियों को बड़ी मात्रा में संदिग्ध दस्तावेज, फर्जी बिलिंग से जुड़े रिकॉर्ड, ट्रांजेक्शन डिटेल्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले हैं। इन सभी सामग्रियों को जब्त कर विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि फर्मों द्वारा बड़े स्तर पर बोगस बिलिंग के जरिए टैक्स चोरी की जा रही थी। हालांकि विभाग का कहना है कि पूरे मामले की सच्चाई दस्तावेजों की गहन जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई एक बड़े नेटवर्क से जुड़ी हो सकती है, जिसमें कई अन्य फर्मों की संलिप्तता भी सामने आ सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल तस्ज्ञ टीम लगातार दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है और जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा सकती है। इस कार्रवाई को राज्य में टैक्स चोरी के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में ट्रक से टकराई बस, 14 की मौत, 21 घायल

सीएम नायडू व पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

मार्कपुरम। आंध्र प्रदेश के मरकापुरम के रायवरम के पास हुए एक हादसे में 14 लोग ज़िंदा जल गए। 21 और लोग घायल हुए हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया है कि इनमें से कई की हालत गंभीर है। मार्कपुरम डीएसपी हर्षवर्धन राजू ने हादसे के बारे में बताते हुए कहा कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस जगित्याला से कालिगिरी जा रही थी। टक्कर के बाद बस में आग लग गई और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बस हादसे पर दुख जताया है। हादसे के बाद सीएम नायडू ने टेलीकॉन्फ्रेंस के ज़रिए मंत्री अनीता और जनार्दन रेड्डी, सीनियर पुलिस अधिकारियों, ज़िले के एसपी और कलेक्टर के साथ रिव्यू मीटिंग की। अधिकारियों ने सीएम को बताया गया कि हादसे के समय बस में कुल 35 यात्री थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 22 घायल हो गए, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की यह बस जगित्याला से आ रही थी। जब ड्राइवर से हादसे के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि उसकी गाड़ी का स्टीयरिंग फंस गया था। अधिकारियों ने बताया कि उनका मानना है कि हादसा इसलिए हुआ क्योंकि बस पूरी तरह से उल्टे रास्ते पर जा रही थी। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने बताया कि वे घायलों को गंभीर हालत में गुंटूर हॉस्पिटल में शिफ्ट करने का प्लान बना रहे हैं।

जीवित व्यक्ति की फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के सहारे एसईसीएल में नौकरी हड़पी, जनदर्शन में शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में कलेक्टर जनदर्शन के दौरान अनोखा मामला सामने आया। जिसे कागजों में मृत घोषित कर दिया गया है वह फर्जी प्रमाण पत्र लेकर अपने जिंदा होने का सबूत देने पहुंचा था। फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के सहारे एसईसीएल में उसकी हक की नौकरी हड़पने की शिकायत पीडित ने की है।दीपका अन्तर्गत विजय नगर निवासी इंद्रपाल सिंह कंवर ने जीवित व्यक्ति को मृत घोषित कर फर्जी तरीके से अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में की है। शिकायत पत्र में उसने कहा है कि वर्तमान में उसे मृत घोषित कर मोहनपुर निवासी बिसाहीनबाई ने फर्जी तरीके से अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त कर ली है। वह एसईसीएल गेवरा परियोजना में जनरल मजदूर के पद पर कार्यरत है। पीडित ने अनुकंपा नियुक्ति के फर्जी दस्तावेजों की जांच कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महादेव सट्टा एप केस में ईडी ने की 1700 करोड़ की संपत्ति अटैच

बुर्ज खलीफा के फ्लैट्स भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को महादेव एप मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने धनशोधन से जुड़े इस मामले में लगभग 1,700 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। यह कार्रवाई दुनिया की सबसे ऊंची इमारत दुबई के बुर्ज खलीफा (829.8 मीटर) में स्थित अपार्टमेंट में भी की गई है। यह हाई-प्रोफाइल मामला अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़ा है। इस जांच के दायरे में छत्तीसगढ़ के कई बड़े नेता और नौकरशाह भी हैं।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी के रायपुर जोनल ऑफिस ने यह अस्थायी आदेश जारी किया है। इसके तहत दुबई हिल्स एस्टेट (हिल्स व्यू, फेयरवे रेजिडेंसी और सिद्रा) में 18 'हाई-वैल्यू' लग्जरी विला और अपार्टमेंट्स को अटैच किया गया है। इसके अलावा दुबई के बिजनेस बे, एसएलएस होटल एंड रेजिडेंसेस और बुर्ज खलीफा में कई 'हाई-एंड' अपार्टमेंट्स भी इस जब्ती का हिस्सा हैं। अंतरराष्ट्रीय संपत्तियों के साथ-साथ दिल्ली में स्थित दो अचल संपत्तियों को भी अटैच किया गया है। ईडी के अनुसार, कुर्क की गई इन सभी संपत्तियों का उचित बाजार मूल्य लगभग 1,700 करोड़ रुपए है।

भिलाई में गैस सिलेंडर लेने पहुंचे ग्राहक को बाउंसरों ने पीटा

भिलाई। खुर्सीपार स्थित शताक्षी गैस एजेंसी में सिलेंडर लेने गए एक ग्राहक के साथ बाउंसरों ने धक्का-मुक्की कर मारपीट की है। बुधवार को गैस सिलेंडर लेने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग लाइन में लगे थे। व्यवस्था बनाए रखने संचालक ने बाउंसर तैनात किया था। इसी दौरान लाइन में खड़े एक युवक और बाउंसर के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि, बाउंसर ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। लाइन में खड़े बाकी ग्राहकों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। घटना की सूचना मिलते ही खुर्सीपार पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया।

रेलवे ने बदला नियम : लेट कैंसिलेशन पर नहीं मिलेगा रिफंड

नई दिल्ली ए.। रेलवे ने यात्रियों के लिए टिकट कैंसिलेशन नियमों को और सख्त कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत कुछ प्रीमियम ट्रेनों (जैसे वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत सेवाएं) में अब अगर कोई यात्री अपनी कन्फर्म टिकट ट्रेन छूटने से आठ घंटे से कम समय पहले कैंसिल करता है, तो उसे किसी भी तरह का रिफंड नहीं मिलेगा। इससे पहले यात्रियों को यात्रा से कुछ घंटे पहले तक आंशिक रिफंड मिल जाता था, लेकिन नए नियमों के बाद आखिरी समय पर टिकट रद्द करना महंगा साबित होगा और पूरा किराया जब्त हो सकता है।

रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन के साथ-साथ यात्रा से जुड़े अन्य नियमों में भी अहम बदलाव किए हैं। पहले जहां यात्रियों को ट्रेन छूटने से चार घंटे पहले तक टिकट कैंसिल करने पर कुछ रिफंड मिल जाता था, वहीं अब यह सीमा बढ़ाकर आठ घंटे कर दी गई है। यानी अब यात्रियों को अपनी यात्रा का फैसला पहले ही लेना होगा, क्योंकि अंतिम समय तक टिकट होल्ड करके रखने की आदत पर रोक लगेगी। इसके अलावा रेलवे ने चार्ट तैयार करने का समय भी बढ़ाकर आठ घंटे पहले कर दिया है, जिससे सीटों का आवंटन समय से हो सके और वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को पहले ही स्पष्ट स्थिति मिल जाए। रेलवे द्वारा किए जा रहे ये नए बदलाव 1 से 15 अप्रैल के बीच चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाएंगे।

भारत के लिए ईरान ने खोला होर्मुज, निर्बाध आ जा सकेंगे जहाज, ऊर्जा संकट कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली ए.। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अब साथी देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। इन देशों में भारत भी शामिल है, साथ में चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान का नाम भी लिया गया है। इसका मतलब है कि भारत के जहाजों को इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने दिया जाएगा। हालांकि, एक शर्त रखी गई है कि जहाजों को पहले ईरान के अधिकारियों से समन्वय करना होगा।

यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब इस रास्ते को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बढ़ गई थी, क्योंकि यही रास्ता दुनिया के सबसे बड़े तेल सप्लाई रूट्स में से एक है। अगर यह बंद हो जाता, तो भारत जैसे देशों के लिए तेल की कीमतें और सप्लाई दोनों पर असर पड़ता।

एंटोनियो गुटेरेस ने भी इस मुद्दे पर जताई है चिंता

इसी बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि होर्मुज मार्ग के बंद रहने से तेल, गैस और खाद की सप्लाई रुक रही है, जिससे दुनिया भर में असर पड़ रहा है- खासकर खेती के समय। गुटेरेस ने अमेरिका और इस्राइल से अपील की कि वे युद्ध को जल्द खत्म करें, क्योंकि इससे आम लोगों की हालत खराब हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने ईरान से भी कहा कि वह अपने पड़ोसी देशों पर हमले बंद करे।

ऊर्जा संकट के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर

ईरान के इस फैसले से भारत को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि भारत का काफी तेल इसी रास्ते से आता है। अगर यह रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते थे। ईरान ने पहले भी साफ किया था कि गैर-शत्रुतापूर्ण जहाज (यानी जो ईरान के खिलाफनहीं हैं) इस रास्ते से गुजर सकते हैं, लेकिन अब यह नियम और सख्त कर दिया गया है, हर जहाज को पहले अनुमति और सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं।

> महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

खंडित वैश्विक परिदृश्य में भारत की विशेष भूमिका

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता

मौजूदा खंडित वैश्विक व्यवस्था में भारत को अपनी जगह खोजने की ज़रूरत नहीं है, उसका खुद ही एक खास स्थान है। दरअसल, किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से अधिक लाभकारी है,बतौर पुल कार्य करने की क्षमता। विशाल आकार इस देश को महाद्वीपीय आधार मजबूत करने के साथ-साथ समुद्र में स्थिरता बनाए रखने में सक्षम बनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैं; वे धीरे-धीरे कमज़ोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया।

शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्यम से अनुशासन थोपे रखा; दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक 'एक-ध्रुवीय' दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज़ हुई और आपूर्ति शृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं।

रणनीतिक तनाव के कारण : इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी। दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फायदा ज़बरन या महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व-स्थिरकारी माना जाता था, अब तेज़ी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा।

आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। जैसे-जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमज़ोर हो रहे हैं, दुनिया नए 'गुरुत्व केंद्र' की तलाश में है।

वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं। बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न हो; संवैधानिक त्वरित सोच की ज़रूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वत: ठीक नहीं होता; बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढ़ते हैं।

सभ्यता, पैमाना और दायित्व : भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है-ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत शृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित किया; इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है।

इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से लेकर मलक्का जलडमरूमध्य और बाब अल-मंडेब तक, वाणिज्य के प्रमुख समुद्री गलियारे भारत से सटकर निकलते हैं। ये सभी विशिष्टताएं भारत को अव्यवस्था का सामना करने की क्षमता के साथ स्थिर और संतुलित करने का सामर्थ्य प्रदान करती हैं।

संतुलन बतौर सक्रिय रणनीति : विखंडित होती दुनिया में, संतुलन अब अपरोक्ष परिणाम नहीं रहा, एक सक्रिय रणनीति है। भारत का दृष्टिकोण, अपनी हस्ती कायम रखते हुए, वृहद जुड़ाव बनाना है, और अलग-थलग पड़े बिना स्वायत्तता बनाए रखनी है। ऐसे रुख को अक्सर रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, लेकिन इसका सार वाजिब संतुलन में है, प्रतिस्पर्धी ध्रुवों के बीच भी, संबंध बरकरार रखना और हितों को कमजोर किए बिना संवाद जारी रखने की क्षमता। यह मानकर कि अब गठबंधन अमूमन पूर्ण नहीं होता, परिस्थितिजन्य होता है। ऐसा संतुलन न तटस्थता है और न अनिर्णय। विखंडन के युग में, भावावेश में किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है, एक सेतु के रूप में कार्य करने की क्षमता।

बल का विश्वसनीय समायोजनीय संतुलन : संतुलन केवल संयम पर टिका नहीं रह सकता; जब यह खतरे में हो तब संयम तज कार्रवाई करने की विश्वसनीय क्षमता होनी चाहिए। दबाव डालने पर, भारत ने दृढ़ता व सही अनुपात में प्रतिक्रिया देने की इच्छाशक्ति दिखाई। बल प्रयोग संतुलन त्यागना नहीं; जब अन्य ढंग फेल हो जायें तब संतुलन बहाली का साधन है। मौजूदा परिदृश्य में, विश्वसनीयता गतिजता से अधिक व्यापक है। एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब युद्धक्षेत्र जागरूकता और निर्णय-क्षमता को आकार दे रहे हैं। विदेश से नियंत्रित तकनीकी पारिस्थितिकी पर निर्भरता नया जोखिम है, एक संभावना कि महत्वपूर्ण क्षणों में वह क्षमता ही गायब कर दी जाए। हालांकि, तकनीकी आत्मनिर्भरता संरक्षणवाद की ओर पीछे जाना नहीं; यह सुरक्षित संपर्क के लिए पूर्व-आवश्यकता है। यह एक संप्रभु डिजिटल कोर बनाने के बारे में है, जिसके जरिए प्रणालीगत निर्भरता बनाए बगैर वैश्विक अंतर-संचालन की सुविधा मिले। आज रणनीतिक स्वायत्तता 'समाप्ति का निर्णय' अपने हाथ में सुनिश्चित करते हुए वैश्विक नेटवर्क में भाग लेने की क्षमता है।

संघर्ष समाप्ति का अनुशासन : संघर्ष समाप्ति रणनीतिक समझ की सबसे स्पष्ट कसौटी है। कार्रवाई करते हुए यह जानना जरूरी है कि रुकना कब है। 1971 का संघर्ष इस अनुशासन हेतु वैश्विक मानदंड है: एक निर्णायक सैन्य परिणाम पाने के बाद,अपने क्षेत्रीय विस्तार बिना, एक नए राष्ट्र के लिए संप्रभु स्थिरता की तुरंत स्थापना करना। 1947 से आज तक भारत द्वारा बल प्रयोग, अंतर्निहित इस सीमा को ध्यान में रखने का बिम्ब रहा है, इरादे का संकेत देना, दुश्मन को कीमत चुकाने पर मजबूर करना, और उसको संदेश मिलने के बाद पीछे हटने की क्षमता। ऑपरेशन सिंदूर खास किस्म के इस संयम की उत्तम मिसाल है : बेकाबू टकराव की गंभीरता तजे बिना, इतनी ही ताकत का इस्तेमाल करना जिससे रणनीतिक दिशा बदली जा सके।

नए युग में केंद्र बिंदु की भूमिका : यांत्रिक दृष्टि से, 'केंद्र बिंदु' बनने का मतलब व्यवस्था पर हावी होना नहीं बल्कि अंदरूनी संतुलन बनाने में मदद करना है। इसकी अहमियत ताकत में नहीं, स्थिरता में है जो दूसरों को हासिल करने में मदद करे। ऐसी भूमिका निभाने में जिम्मेवारी सिर्फ़ स्थिरता रखना ही नहीं, सही संकेत देने की भी होती है। सार्वजनिक तौर पर चुप रहने का अर्थ ज़रूरी नहीं निष्क्रियता हो, खुले तौर पर संयम और पर्दे के पीछे खास मकसद के काम साथ चल सकते हैं। भारत नई द्वि-ध्रुवीय व्यवस्था में एक ध्रुव बनने की चाहत नहीं रखता। लेकिन जहां विभिन्न ताकतें परस्पर उलझी हों, वहां विकल्पों को स्पष्ट कर सकता है और ऐसे नतीजों को मज़बूती दे सकता है जिनसे संतुलन बहाल हो सके।

निष्कर्ष : संतुलन चुनना : जो देश अपने घर के अंदर खुद को स्थिर रख पाते हैं, वे बाहरी व्यवस्था को स्थिर रखने में ज़्यादा बेहतर स्थिति में होते हैं। भारत का विशाल आकार उसे ये दोनों काम करने की सुविधा देता है-अपने महाद्वीपीय स्वरूपके साथ समुद्री क्षेत्रों में स्थिरता का परिदृश्य बनाना। ऐसा करके, सिर्फ़ लहरों संग बहने के बजाय, उस ज़मीन को ही आकार देना है जिससे जाकर वे लहरें आकर टकराती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था भले ही कमज़ोर हो रही हो, लेकिन अभी खत्म नहीं हुई। इस संधि-काल में लिए फैसले ही तय करेंगे कि भविष्य बिखराव की ओर जाएगा या संतुलन की ओर। भारत का रास्ता न तो टकराव वाला है और न ही पूरे समर्पण वाला। यह संतुलन को आदर्श के बजाय बतौर जरूरत देखना चाहता है। भारत वैश्विक साझेदारी की भाईचारे की प्रकृति और सबकी भलाई की खातिर उसे सहेजकर रखने की जरूरत को मानता है। अगर दुनिया का छोटा सा हिस्सा भी ध्रुवीकरण की बजाय संतुलन चुन ले, तो वाजिब संतुलन अभी भी कायम हो सकता है। भारत को दुनिया में अपनी जगह ढूंढ़ने की ज़रूरत नहीं है। भारत अपने-आप में एक जगह है।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर एवं पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

रिज़ल्ट का मौसम, निकले घरवालों का दम

शमिम शर्मा

पढ़ाई जरूरी है लेकिन इतनी भी नहीं कि घर का हर सदस्य रिज़ल्ट आने तक मरीज बन जाए। कुछ साल पहले तक भी शिक्षा थोड़ी सरल थी और जिंदगी भी थोड़ी आसान।

और अब जब बोर्ड व स्कूलों की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं तो पूरे देश में एक नया मौसम शुरू हो गया है- रिज़ल्ट का मौसम। यह वह मौसम है, जिसमें न गर्मी होती है, न सर्दी। बस टेंशन होती है।

वह भी समय था जब स्कूल में पेरेंट-टीचर मीटिंग जैसी कोई चीज़ नहीं हुआ करती थी। मास्टर साहब खुद ही साइकिल उठाकर बच्चे के घर पहुंच जाते थे। पहले तो बच्चे को दो डंडे लगवाते फिर उसके पिता से कहते-लड़का हवा में उड़ने लगा है, ध्यान रखना और उसके बाद बड़े इत्मीनान से चाय पीकर चले जाते थे। न कोई प्रजेंटेशन, न कोई प्रोजेक्टर, न कोई पावर-प्वाइंट। बस दो डंडे और एक कप चाय में पूरी शिक्षा व्यवस्था का सिलेबस पूरा हो जाता था।

अब मास्टर साहब घर नहीं आते बल्कि माता-पिता को स्कूल बुलाया जाता है। और स्कूल भी ऐसे बुलाते हैं जैसे किसी कंपनी में बोर्ड मीटिंग हो। बड़े-बड़े स्क्रीन, रंगीन ग्राफऔर अंग्रेज़ी में लंबी-लंबी रिपोर्ट- श्योर चाइल्ड इज़ अ बिट डिस्टर्ब्ड इन कंसंट्रेशन बट ही हैज ग्रेट पोटेंशियल। माता-पिता भी सिर हिलाते हुए यूं सुनते हैं जैसे अभी-अभी कोई आर्थिक बजट पेश हुआ हो। पहले बच्चों के रिपोर्ट कार्ड में बस दो ही कॉलम होते थे- पास या फेल। अब इतने होते कॉलम हैं कि बच्चा खुद ही पूछता है—पापा! मैं पढ़ाई कर रहा हूं या सरकारी फार्म भर रहा हूं?

जब बोर्ड की परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं तो असली परीक्षा शुरू हो गई है- रिज़ल्ट की प्रतीक्षा। बच्चे ऐसे तनाव में हैं जैसे उन्होंने पढ़ाई नहीं, कोई अंतर्राष्ट्रीय संधि साइन कर दी हो, जिसका फैसला आने वाला हो। माता-पिता भी कम परेशान नहीं हैं। घर में माहौल ऐसा है जैसे किसी चुनाव का एग्जिट पोल आने वाला हो।

पढ़ाई जरूरी है लेकिन इतनी भी नहीं कि घर का हर सदस्य रिज़ल्ट आने तक मरीज बन जाए। कुछ साल पहले तक भी शिक्षा थोड़ी सरल थी और जिंदगी भी थोड़ी आसान। आज स्कूल बड़े हो गए हैं, सिलेबस भारी हो गया है और प्रतिशत की दौड़ लंबी।

पहले बच्चे मास्टर से डरते थे, अब मास्टर बच्चों से डरते हैं कि कहीं डांट दिया तो पेरेंट्स-टीचर की मीटिंग हो जाएगी। इधर कोचिंग सेंटरों ने भी शिक्षा को ऐसा उद्योग बना दिया है कि लगता है जैसे देश में पढ़ाई नहीं प्रतिशत का कारखाना चल रहा हो। मानो कोचिंग सेंटर नहीं, सीधे नंबरों की एटीएम मशीन हो।

एक बर की बात है अक सुरजे मास्टर नैं बूज्झी- कंडक्टर अर डरैवर म्हं के फर्क है? नत्थू बोल्या- जी कंडक्टर सो ग्या तो किसे की टिकट नीं कटैगी अर डरैवर सो गया तो सबकी कट ज्यैगी।

न्याय की सुलभता हो कानूनी शिक्षा का मकसद

डॉ. सुधीर कुमार

देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी तैयार करना जरूरी है। विश्वविद्यालयों में ऐसे 'न्याय के प्रहरी' तैयार किये जाएं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों तथा असल सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों।

भारत में कानूनी शिक्षा को केवल एक स्नातक डिग्री हासिल करने के माध्यम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सजग 'सोशल इंजीनियर' तैयार करना है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिला सकें। हाल ही में अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ (2026) मामले में उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की। स्पष्ट किया कि कानूनी शिक्षा जैसे नीतिगत मामलों में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा।

यह वक्तव्य संकेत करता है कि वर्तमान में जारी 4 साल बनाम 5 साल की अवधि का विवाद केवल समय की गणना का नहीं, बल्कि 'गुणवत्ता, सार्थकता और परिपक्वता' का है। कानून कोई यांत्रिक या तकनीकी विषय नहीं जिसे सिर्फ सूत्रों से समझा जा सके; यह समाज, संस्कृति व नैतिकता के ताने-बाने से बुना हुआ है। सफल 'विधिवेत्ता' बनने के लिए छात्र को वे सामाजिक मूल्य आत्मसात करने हेतु पर्याप्त 'मानसिक स्पेस' व समय चाहिये।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप अनिवार्य रूप से 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का बड़ा दोष है कि यह मुख्यतया कॉर्पोरेट घरानों व उच्च न्यायालयों के लिए वकील तैयार करती है। हमें यह ढांचा बदलने की जरूरत है ताकि वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी समान रूप से तैयार किया जा सके। इसके लिए 'लोक अदालत' और 'मध्यस्थता' जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और व्यावहारिक हिस्सा बनाना होगा। क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका यहां और भी अहम हो जाती है। उन्हें स्थानीय विधिक समस्याओं, जैसे ग्रामीण भूमि विवाद, पारिवारिक उत्तराधिकार और सामुदायिक न्याय प्रणालियों पर 'क्लीनिकल रिसर्च' को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक कानून का छात्र जमीन से नहीं जुड़ेगा, न्याय की वास्तविक अवधारणा को नहीं समझ पाएगा।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो कानूनी शिक्षा का ढांचा इस बुनियादी प्रश्न पर टिका है कि इसे 'सामान्य स्नातक' माना जाए या 'विशेषज्ञता वाला पेशा'। भारत में 5-वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सबसे लोकप्रिय है, जो छात्र को शुरू से ही कानूनी परिवेश में ढाल देता है। इसके उलट, अमेरिका में कानून 'पोस्ट-ग्रैजुएट' शोध विषय है। पश्चिमी देशों में कानून 'अकादमिक अनुसंधान' का विषय है, जबकि भारत में इसे 'व्यावसायिक कौशल' तक सीमित कर देते हैं। विकसित देशों के संस्थान 'विधिक तर्कशीलता' के साथ ही 'विषयांतर अनुशासनात्मक' शिक्षा पर बल दे रहे हैं। हमें भी अब कानून को डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा। अंतरिक्ष कानून, ऊर्जा कानून और खेल कानून जैसे उभरते क्षेत्रों को अपनाना वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने को अनिवार्य है।

मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विधिक शोध और दस्तावेज लेखन बेहद सरल बना दिया। कानून से जुड़े बुनियादी कार्य मशीनों द्वारा किए जाने की प्रबल संभावना है। चुनौती 'मानवीय विवेक बनाम मशीन' की है। अधिवक्ताओं को 'मशीनी निर्भरता' पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। मशीनी एल्गोरिदम जानकारी तो दे सकते हैं, लेकिन उस 'मानवीय अंतर्दृष्टि' और 'व्यावसायिक नैतिकता' का स्थान नहीं ले सकते जो एक जटिल मामले में न्यायपूर्ण निर्णय के लिए जरूरी होती है। इसलिए, पाठ्यक्रम में 'विधिक तकनीक', 'डिजिटल नैतिकता' और 'साइबर सुरक्षा कानून' को अनिवार्य शामिल करना चाहिए। सफल अधिवक्ता वही होगा जो तकनीक को 'गुलाम' की तरह उपयोग करे, न कि उसका गुलाम बन जाए। 'लीगल डिजाइन थिंकिंग' का उपयोग कर कानून की जटिलताओं को सरल बनाकर आम आदमी के लिए सुलभ बना सकते हैं।

भारतीय कानूनी जगत की विडंबना है कि न्याय की भाषा आज भी मुख्यत: अंग्रेजी है, जबकि बहुसंख्यक आबादी इस भाषा से अपरिचित है। 'बहुभाषी शिक्षा' और 'कानूनी अनुवाद' को बढ़ावा देना समय की मांग है। वास्तविक विधिक क्रांति तब आएगी जब एक वकील अपनी स्थानीय भाषा में जटिल कानूनों को समझा सके और न्यायालय में पैरवी कर सके। शिक्षा का माध्यम ऐसा हो जो भाषाई बाधाओं को तोड़ कानून की समझ को सर्वव्यापी बनाए। जब तक कानून की पढ़ाई बोझिल और औपनिवेशिक शब्दावली से मुक्त नहीं होगी, तब तक यह समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए 'अनसुलझी पहेली' रहेगी।

जैसे मेडिकल छात्र के लिए अस्पताल में बिताया गया समय उसके कैरियर की नींव होता है, वैसे ही लॉ छात्रों के लिए 'लीगल एड क्लीनिक्स' और 'मूट कोर्ट्स' वास्तविक पाठशालाएं हों। छात्रों को वास्तविक मुकदमों, क्लाइंट काउंसलिंग और कानूनी ड्राफ्टिंग का व्यावहारिक अनुभव मिले। पाठ्यक्रम में छात्रों के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' पर भी ध्यान दिया जाए। 'एल्गोरिदम की समझ' और 'ऑनलाइन विवाद समाधान' के इस युग में सफलता का मंत्र अब केवल 'किताबी ज्ञान' नहीं, बल्कि 'तकनीकी निपुणता' और 'व्यावहारिक कौशल' का मेल है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बोनी फेई लॉ कॉलेज (2023) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मानकों में सुधार न्यायिक ढांचे के लिए अपरिहार्य है। विश्वविद्यालयों को अब 'वकीलों की फौज' पैदा करने वाली फैक्टरी बनने से रुकना होगा। हमें ऐसे 'नीति निर्माता' और 'न्याय के प्रहरी' तैयार करने हैं जो न केवल वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों, बल्कि अपनी मिट्टी और सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

ओबीसी महासभा ने ओबीसी वर्ग की जातिगत जनगणना की जानकारी दी

भिलाई। साहू मित्र सभा कोहका के भवन में ओबीसी महासभा दुर्ग और साहू समाज महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में ओबीसी मूवमेंट के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महासभा की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष खिलेश्वरी ने महिलाओं को ओबीसी वर्ग की जातिगत जनगणना, प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड- पत्र लेखन, छत्तीसगढ़ में लंबित 27 प्रतिशत आरक्षण, लेटरल एंट्री, क्रीमी लेयर आदि विषयों पर जानकारी दी। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा साहू, उपाध्यक्ष ममता वर्मा, भुनेश्वरी निर्मलकर, पार्षद नोमिन साहू, मंजूषा साहू, संयोजिका हेमा साहू, किरण साहू, दीपेश्वरी साहू, प्रभा साहू, रुक्मणि साहू सहित अन्य उपस्थित रहीं।

सोनिया गांधी भर्ती, वोरा ने की दीर्घायु और स्वास्थ्य की कामना

दुर्ग। राज्यसभा सांसद, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को 24 मार्च 2026 को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की है। वोरा ने कहा कि सोनिया गांधी का धैर्य, दृढ़ संकल्प और जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हें निरंतर शक्ति और ऊर्जा प्रदान करें।

बिरेझर में अवैध खनन की कलेक्टर से शिकायत

दुर्ग। ग्राम पंचायत बिरेझर द्वारा गांव में अवैध रूप से मिट्टी और मुरुम खनन की शिकायत कलेक्टर से की है। पंचायत का आरोप है कि अवैध कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे दिनदहाड़े खनन कर रहे हैं।

बीएसपी बॉक्सिंग क्लब का शानदार प्रदर्शन, 17वीं राज्य स्तरीय यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग में मिला शीर्ष स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 21 मार्च से 23 मार्च 2026 तक भिलाई में आयोजित 17वीं राज्य स्तरीय यूथ एवं जूनियर (बालक एवं बालिका) बॉक्सिंग चैंपियनशिप का समापन भिलाई इस्पात संयंत्र के बीएसपी बॉक्सिंग क्लब के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ हुआ। प्रतियोगिता में संयंत्र के खिलाड़ियों ने यूथ एवं जूनियर दोनों वर्गों में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

यूथ वर्ग में बीएसपी टीम ने कुल 34 अंकों के साथ चैंपियनशिप अपने नाम की। इस वर्ग में वाई. उमेश ने 'बेस्ट बॉक्सर' का खिताब भी हासिल किया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में गिरवान सिंह ने 50-55 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, वहीं वाई. उमेश ने 55-60 किलोग्राम वर्ग तथा गौतम सिंह ने 60-65 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण

पदक जीतकर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त डी. साई किरण ने 70-75 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया, वही पुरेंद्र भाई पटेल ने 47-50 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।

इसी क्रम में जूनियर वर्ग में भी बीएसपी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 अंकों के साथ टीम चैंपियनशिप अपने नाम की। जूनियर वर्ग में श्री शिवदीप राय ने 'बेस्ट बॉक्सर' का खिताब हासिल करते हुए 46-48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं चितेश्वर ने 50-52 किलोग्राम वर्ग तथा नमन कुमार साहू ने 57-60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित कर टीम की सफलता को और मजबूत किया। खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के पीछे कोच तीर्थ रजत के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बजट बैठक में महापौर ने दी विकास की ब्यौरा 851.67 करोड़ का बजट प्रस्ताव किया पारित

शहर को जल्द मिलेगा कचांदुर सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, तरणताल, स्केटिंग रिंग, रनिंग ट्रैक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई का विशेष बजट सम्मिलन सभागार कक्ष में राष्ट्रगान के साथ प्रारंभ किया गया। राष्ट्रगान के पश्चात महापौर नीरज पाल ने अपना अभिभाषण के साथ बजट सभापति गिरवर बंटी साहू एवं सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें अपने कार्यकाल की उपलब्धि एवं आगामी वित्तीय वर्ष हेतु जनहितैषी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दिये।

निगम का अनुमानित बजट वर्ष 2026-27 में प्रारंभिक शेष राशि 180 करोड़ 60 लाख 74 हजार एवं आय 670 करोड़ 67 लाख 73 हजार, इस प्रकार कुल आय 851 करोड़ 67 लाख 47 हजार के विरूद्ध 740 करोड़ 23 लाख 32 हजार का व्यय अनुमानित है, एवं 111 करोड़ 05 लाख 15 हजार अंतिम शेष का अनुमान है।

नगर पालिक निगम भिलाई हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण प्रयोजना स्वीकृति प्रदान की गई है । जिससे शहर नए आयाम एवं विकसित दिशा में कार्य करेगी।

पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कचांदुर में 189.57 करोड़ की लागत से सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट प्रगतिरत है। सीपीजी प्लांट की स्थापना हेतु 60 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस संयंत्र की छमता प्रतिदिन 100-150 टन कचरे के प्रसंस्करण की होगी। लगभग 22 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से अत्याधुनिक साइंस सेंटर की स्थापना प्रस्तावित है।

शहर में 4 करोड़ 97 लाख की लागत से स्वीमिंग पुल का निर्माण, रनिंग ट्रेक 4 करोड़ 99 लाख, 1 करोड़ 99 लाख की लागत से स्केटिंग ट्रेक निर्माण किया जा रहा है। शहर की स्वच्छता एवं सीवरेज व्यवस्था हेतु 21 करोड़ 56 लाख से कार्य हुड़को क्षेत्र में प्रस्तावित है। शहर के व्यावसायिक एवं शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए 6 करोड़ 38 लाख की लागत से जवाहर मार्केट का उन्नयन एवं 11 करोड़ 42 लाख की लागत से नालंदा परिसर का विकास किया जा रहा है।

बजट में नगर निगम भिलाई क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु नवीन सड़क, सड़क चौड़ीकरण, सीवरेज लाइन, नाला निर्माण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बेहतर पेयजल आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, दूषित जल निकासी, उद्यानों का सौंदर्यीकरण एवं अन्य कार्य शामिल किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यय को लेकर कई विषयों पर सम्मानित पार्षदों द्वारा आपत्ति किया गया, जिसका निगम आयुक्त एवं लेखाधिकारी द्वारा जानकारी प्रदान किया गया । विस्तृत चर्चा पश्चात् सदन द्वारा आय की बजट सर्व सम्मति से पारित किया गया है, जिसे आगामी समय में राज्य शासन को भेजा जाएगा।

बैठक में निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, महापौर परिषद के सभी सम्मानित सदस्य, उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह, सभी सम्मानित पार्षदगण, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं निगम सचिव सहित अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रही।

बीएसएफ के 60 साल, उषा बारले ने दी प्रस्तुति

भिलाई। सीमा सुरक्षा बल के स्थापना के 60 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में सीमा सुरक्षा- सेवा, बलिदान एवं सशक्तिकरण के 60 वर्ष थीम अंतर्गत वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में भिलाई स्थित कार्यालय परिसर में पद्मश्री डॉ. उषा बारले के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल पर आधारित एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा बीएसएफ के बैंड प्रदर्शन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

किसानों ने विवि में सीखा न्यूनतम लागत में संतुलित पशु आहार बनाना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कामधेनु विश्वविद्यालय में यूरिया मोलासिस मिनरल ब्लॉक एवं संपूर्ण पशु आहार बनाने की तकनीक, पशु आहार प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान विशेषज्ञों ने यूरिया मोलासिस मिनरल ब्लॉक और संपूर्ण पशु आहार बनाने की तकनीक पर जानकारी दी।

साथ ही किसानों को इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। इससे प्रतिभागियों में आत्मविश्वास बढ़ा और वे इस तकनीक को अपने स्तर पर अपनाने के लिए सक्षम हुए।

मुख्य अतिथि जनपद सभापति सहसपुर लोहारा रुक्मणी सोमलाल कौशिक ने पशु आहार निर्माण एवं प्रबंधन को ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. महेन्द्र चंद्रवंशी वैज्ञानिक, छग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ. मनोज कुमार गेंदले ने भी कृषि कार्यों से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण जानकारियां किसानों को दी।

कृषि में सूक्ष्म जीव विज्ञान की बड़ी भूमिका

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कृषि एवं पर्यावरणीय विकास में सूक्ष्म जीव विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है - सूक्ष्म जीव विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रायोगिक षिक्षण एवं वैज्ञानिक जागरूकता के प्रति प्रतिबध्दता होनी चाहिए। ये उद्गार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बुधवार को व्यक्त किये। डॉ. सिंह महाविद्यालय की माइक्रोबायलॉजी एसोसिएषन माइक्रोबिया के तत्वावधान में आयोजित श्माइक्रोबियल वन्डर्स- लाइफ बियॉड द नैकेट आईश् थीम

पर जीवित सूक्ष्म जीव के शुध्द कल्चर की प्रदर्षिनी का उद्घाटन कर रहे थे। यह जानकारी देते हुए माइक्रोबायलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने बताया कि आज आयोजित इस प्रदर्षिनी में कुल 28 सूक्ष्मजीवों जिसमें फन्जाई, जीवाणु के लल्चर, एनाजाइम एवं नैनो पार्टिकल के बिड्स, बायो फर्टिलाइजर तथा ऑस्टर मषरूम के तैयार स्पॉज भी प्रदर्षित किए गए। इन सभी कल्चर्स का संवर्धन माइक्रोबायलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया।

माइक्रोबायलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेखा गुप्ता एवं नीतू दास ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को सूक्ष्मजीवों के बारे में आधारभूत जानकारी के साथ-साथ उनकी उपयोगिता एवं माइक्रोबायलॉजी विषय के महत्व की जानकारी दी गयी। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया। प्राचार्य एवं विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों ने सराहना की।

एसएमएस-2 में 'आप भी जानिए' कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-2 विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास केन्द्र में 'आप भी जानिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसएमएस-2 के 17 कार्मिकों की पत्नियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर मुख्य जीएम (एसएमएस-2) सुषांता कुमार घोषाल, जीएम इंचार्ज (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर, महाप्रबंधक (एस.एम.एस.-2) एसके देबसिकदर, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, सहायक महाप्रबंधक रोहित हरित तथा विभागीय सुरक्षा अधिकारी सहायक प्रबंधक सुमित कुमार सहित स्टील जोन-2 के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विभागीय सुरक्षा अधिकारी सुमित कुमार ने कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर विशेष बल देते हुए परिवारजनों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देने में पारिवारिक जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रतिभागियों को संयंत्र भ्रमण कराया गया, जिसके अंतर्गत एसएमएस-2, कोक ओवन, यूनिवर्सल रेल मिल तथा ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) का अवलोकन कराया गया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं, कार्य प्रणालियों एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे उन्हें संयंत्र के संचालन की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित फीडबैक सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए इसकी सराहना की।

संयंत्र के भीतर ओवरलोड परिवहन पर रोक की मांग

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ की कार्यसमिति के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने सीजीएम (कार्मिक) से मुलाकात कर संयंत्र के भीतर बड़े वाहनों के असुरक्षित आवागमन को नियंत्रित किया करने और ओवरलोडिंग पर पूर्णत: रोक लगाने की मांग की। साथ ही वाहनों के परिवहन की अनुमति संयंत्र की मौजूदा रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की क्षमता के अनुसार ही देने की मांग की गई। इसके साथ ही अन्य विसंगतियों की तरफ भी शीर्ष प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया गया। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष आईपी मिश्रा, दिल्ली राव, शारदा गुप्ता, विनोद उपाध्याय, महामंत्री वशिष्ठ वर्मा, हरिशंकर चतुर्वेदी, सचिव आरके सोनी उपस्थित रहे।

बीएसपी में एबीएमएस की प्रबंधन समीक्षा बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आईएसओ 37001: 2016 के अंतर्गत एंटी ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) प्रमाणितबीएसपी में इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सम्मेलन कक्ष में उच्च-स्तरीय 'टॉप मैनेजमेंट रिव्यू मीटिंग' आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने की। इस अवसर पर संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा अतिरिक्त मुख्य एबीएमएस अधिकारी सुनील सिंगल द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

उन्होंने बताया कि बीएसपी को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा 09 जनवरी 2024 से आईएस/आईएसओ 37001: 2016 प्रमाणपत्र प्रदान किया गया तथा वर्तमान में संयंत्र के लगभग 34 विभाग एवं अनुभाग इस प्रणाली के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं।

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान पारदर्शिता एवं नैतिकता को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें कर्मचारियों के मध्य एबीएमएस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संयंत्र के प्रमुख स्थानों पर पोस्टर एवं बैनर प्रदर्शित करने, एबीएमएस विषयक प्रशिक्षण सामग्री तैयार कर 'आईगॉट कर्मयोगी' प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराने तथा संवेदनशील विभागों एवं अनुभागों की पुन: समीक्षा कर निगरानी तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे निर्देश शामिल रहे।

बैठक में ईडी एमएम एके चक्रवर्ती, ईडी एफएंडए प्रवीण निगम, ईडी प्रोजेक्ट्स पीके सरकार, ईडी वर्क्स राकेश कुमार, ईडी माइन्स एवं सीएमएलओ कमल भास्कर, ईडी रावघाट एवं सीएमएलओ अरुण कुमार, ईडी एचआर एवं मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता सहित सभी मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

बाल विवाह को रोकने प्रशासन ने बनाई संयुक्त टीम, रहेगी नज़र

दुर्ग। रामनवमी, अक्षय तृतीया के अवसर पर शहरी व ग्रामीण स्तर पर अधिकतर भ्रांतियों के

चलते बाल विवाह संपन्न कराया जाता है। जिले में बाल विवाह को पूर्णरूप से प्रतिबंधित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति, चाईल्ड लाईन की संयुक्त टीम गठित की गयी है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित है। 21 वर्ष से कम आयु का पुरूष यदि 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता है तो उसे 02 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 01 लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है अथवा उसकी सहायता करता है, उन्हें दण्डित किया जा सकता है।

दादी जानकी को छठवीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

- दादी जानकी की गणना विश्व के दस प्रमुख बुद्धिजीवियों में होती थी
- मिला था मोस्ट स्टेबल माईण्ड इन द वर्ल्ड का भी खिताब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी की छठवीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बलौदाबाजार मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित समारोह में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर दादी जानकी का श्रद्धापूर्वक पुण्य स्मरण करते हुए ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संस्थान के संस्थापक सदस्यों में से एक थीं।

दादी जी विश्व के उन दस प्रमुख बुद्धिजीवियों में शामिल थी जिन्हें वर्ष 1992 में रियो-डि-जेनरियो में सम्पन्न

प्रथम पृथ्वी महासम्मेलन में विश्व के प्रमुख नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनोनीत किया गया था। भारत देश से सिर्फ दो लोगों को यह सौभाग्य मिला था जिनमें से एक दादी जानकी और दूसरे बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा थे।

उन्होंने आगे बतलाया कि दादी जी ने राजयोग की अपनी उपलब्धियों से दुनिया के तमाम वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया था।

आस्ट्रेलिया की युनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, अमेरिका की युनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, सेनफ्रान्सिस्को की युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया जैसी प्रख्यात संस्थाओं ने वैज्ञानिक परीक्षण में देखा कि परस्पर वार्तालाप करते हुए तथा गणितीय प्रश्नों का समाधान करते हुए भी दादी जी के मस्तिष्क से हमेशा डेल्टा तरंगें ही प्रवाहित होती हैं। जबकि सामान्यत: गहन विश्राम अथवा निद्रा की अवस्था में ही डेल्टा तरंगे (सबसे धीमी तरंगे Slowest Brain Waves) निकलती हैं। इस प्रकार का परीक्षण वैज्ञानिकों ने विभिन्न योगियों के साथ किया किन्तु कहीं पर भी ऐसा अद्भुत परिणाम देखने को नहीं मिला।

फलस्वरूप वैज्ञानिकों ने उन्हें सर्वाधिक स्थिर चित्त महिला अर्थात मोस्ट स्टेबल माईण्ड इन द वर्ल्ड (Most stable mind in the world) घोषित किया था। इतना ही नहीं उन्होंने अंग्रेजी का ज्ञान नहीं होने के बावजूद लन्दन में रहकर विदेश में संस्थान की सेवाओं का विस्तार किया। उन्हीं के सद्प्रयासों से आज ब्रह्माकुमारी संस्थान की शाखाएं विश्व के 140 देशों में कार्यरत हैं।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

युवाओं के सपनों को पंख दे रही स्मृति पुस्तकालय योजना, मिल रहा भरपूर सहयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम में आज अभिषेक चौबे ने इंजीनियरिंग सहित अन्य विषयों की 20 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। श्री चौबे ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया का हुआ भव्य स्वागत

रायपुर । केन्द्रीय खेल एवं श्रम कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया का प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी के अगुवाई में विवेकानंद विमानतल में भव्य स्वागत हुआ। केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया एक दिवसीय प्रवास में रायपुर पहुंचे। खेलो इंडिया अभियान के तहत आयोजित स्पर्धा का शुभारंभ के लिए रायपुर पहुंचे। इस दौरान उनका लोककलाकारों व खिलाड़ियों द्वारा स्वागत किया गया। केन्द्रीय मंत्री मांडविया का विमानतल में मंत्री रामविचार नेताम, प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मारकंडे, विधायक गण सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, सुशांत शुक्ला, महापौर मीनल चौबे, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, अपैक्स बैंक अध्यक्ष केदार गुप्ता, कार्यालय प्रभारी आशोक बजाज, संयोजक संजूनारायण सिंह सहित पार्टी पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

समाज कल्याण सचिव से मिले युवा इनोवेटर, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए पेश की 'नेविनॉट' और 'साइनएक्स' तकनीक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। 'ग्लोबल यूथ इनोवेटर' और 'एलियन इनोवेशंस' के 21 वर्षीय संस्थापक रवि किरण ने छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव से मुलाकात की। इस मुलाक़ात में उनके साथ स्टार्टअप में ऑपरेशंस और पार्टनरशिप की जिम्मेदारी संभाल रहीं हर्षिता भी उपस्थित थीं। विशेष बात यह है कि ये दोनों ही युवा अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ-साथ इस नवाचार के जरिए समाज में बदलाव ला रहे हैं। इस अहम मुलाक़ात का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उनके दैनिक जीवन को अधिक स्वतंत्र व सुलभ बनाने के लिए विकसित किए गए अत्याधुनिक उपकरणों—'नेविनॉट' और 'साइनएक्स' — का प्रदर्शन करना था।

बैठक के दौरान सचिव श्री यादव के समक्ष इन 'मेड इन इंडिया' तकनीकों की कार्यप्रणाली और हजारों दिव्यांगों के जीवन में इनके सकारात्मक प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। रवि ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए भारत का पहला टॉर्च के आकार का कॉम्पैक्ट सहायक उपकरण 'नेविनॉट' प्रस्तुत किया। यह उपकरण बिना पारंपरिक छड़ी के बाधा-मुक्त और सुरक्षित रूप से चलने में मदद करता है। इसमें सटीक रूप से बाधाओं का पता लगाने के लिए एडवांस्ड लिडार सेंसर और अलर्ट के लिए टैक्टाइल वाइब्रेशन की सुविधा है। इसके साथ ही श्रवण एवं वाक् बाधित (मूक-बधिर) व्यक्तियों के लिए 'साइनएक्स' का भी प्रदर्शन किया गया। यह स्मार्ट डेस्क-आधारित एआई उपकरण बिना किसी दुभाषिए के रीयल-टाइम संवाद को संभव बनाता है। यह 97.6 प्रतिशत सटीकता के साथ सांकेतिक भाषा को पहचानकर उसे तुरंत आवाज में बदल देता है।

श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उद्योगों की जिम्मेदारीः संभागायुक्त

शून्य दुर्घटना पर कार्यशाला में दिया गया जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा बिलासपुर के पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में आयोजित एकदिवसीय औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर के संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, आईएचएस के संचालक मनीष श्रीवास्तव ने संबोधित किया। कार्यशाला में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के डिप्टी डायरेक्टर विजय कुमार सोरी, प्रदेश के विभिन्न जिलों से औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधन एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र की स्पॉन्ज आयरन फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संभागायुक्त सुनील जैन ने स्पष्ट कहा कि औद्योगिक सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योगों का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि देश के विकास में योगदान देने के साथ-साथ श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है।

दुर्घटनाएं भले ही क्षणिक होती हैं, लेकिन उनके दुष्परिणाम लंबे समय तक प्रभावित करते हैं। इसलिए औद्योगिक इकाइयों में जोखिम की पहचान कर समय रहते उचित प्रबंधन, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों की स्थापना, नियमित प्रशिक्षण एवं मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि उद्योग देश के विकास और रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम हैं, लेकिन किसी भी दुर्घटना से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि संस्थान की साख भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और श्रमिकों के सामूहिक प्रयास से ही सुरक्षित कार्य वातावरण निर्मित किया जा सकता है। श्रमिकों को नियमित प्रशिक्षण देने, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने तथा उनमें स्वामित्व की भावना विकसित करने पर उन्होंने विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करना गंभीर घटनाओं को जन्म देता है, जिसमें मानव लापरवाही प्रमुख कारण होती है। उन्होंने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने तथा किसी भी घटना की स्थिति में उसे छुपाने के बजाय तत्काल प्रशासन को सूचित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर प्रस्तुतियां दी गईं तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों एवं प्रबंधन को जागरूक किया गया। पावर पॉइंट प्रस्तुति एवं संवादात्मक सत्रों के जरिए प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में सुरक्षा की शपथ भी ली गई। इस आयोजन के माध्यम से औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि बनी सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि बनी सहारामुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण का कार्यक्रम कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि संघर्षरत परिवारों के लिए संबल और आत्मविश्वास का आधार बन रहा है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम संकरी की महिला हितग्राही श्रीमती चमेली सेन की आंखों में उस समय भावनाएं छलक उठीं, जब उन्हें मुख्यमंत्री के हाथों 10 हजार रुपए का चेक प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि उनके पास कृषि भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा भी नहीं है। सिलाई मशीन के सहारे घर चलाने वाली चमेली और सैलून चलाने वाले उनके पति, सीमित आय में अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उनके दो बच्चे हैं, एक नर्सिंग और दूसरा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है। यह राशि मेरे बच्चों की स्कूल फीस भरने में काम आएगी। हमारे जैसे परिवार के लिए यह बहुत बड़ी मदद है, कहते हुए उनकी आवाज में संतोष और उम्मीद साफझलक रही थी।

इसी गांव के एक अन्य हितग्राही धन्नूलाल धीवर के चेहरे पर भी राहत और खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने बताया कि उनका जीवन पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है। पिछले वर्ष भी उन्हें 10 हजार रुपए की सहायता मिली थी और इस वर्ष भी उतनी ही राशि प्राप्त हुई है। धन्नूलाल ने कहा, हम दोनों पति-पत्नी साथ रहते हैं और मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। पहले जरूरत के समय इधर-उधर भटकना पड़ता था, लेकिन अब इस सहायता से राहत मिली है। अब एक साल के लिए चिंता कम हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना की राशि भी मिलती है, जिससे दोनों मिलकर अपने घर की जरूरतों को पूरा कर पा रहे हैं।

धन्नूलाल धीवर की बातों में सुकून था, एक ऐसी राहत जैसे संघर्ष के बाद मिली हो। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे गरीब और भूमिहीन परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

बस्तर के नन्हे ललित की आंखों में लौटी रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर के नौ वर्षीय बालक ललित मौर्य के जीवन में अब खुशियों का एक नया सवेरा हुआ है। जिले के विकासखंड बस्तर के अंतर्गत ग्राम पंचायत नदीसागर के आश्रित ग्राम पराली का निवासी ललित जन्म से ही मोतियाबिंद जैसी गंभीर समस्या से जूझ रहा था। इस जन्मजात विकार के कारण वह दुनिया की खूबसूरती देखने में पूरी तरह असमर्थ था और उसका बचपन अंधेरे के साये में बीत रहा था। हालांकि ललित के मोतियाबिंद की पहचान पूर्व में ही हो गई थी, लेकिन सर्जरी को लेकर मन में बैठे डर और संशय के कारण उसके परिजन ऑपरेशन के लिए तैयार नहीं हो रहे थे।

ललित के उजाले की ओर बढ़ने का सफर 20 मार्च को बस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित दिव्यांग सशक्तिकरण शिविर से शुरू हुआ, जहाँ वह दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने पहुँचा था। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की पहल पर आयोजित इस विशेष शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान नेत्र विशेषज्ञों ने ललित की स्थिति को समझा। इस दौरान पलारी के नेत्र सहायक अधिकारी श्री अनिल नेताम ने विशेष सक्रियता दिखाते हुए परिजनों को ऑपरेशन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उनके अथक प्रयासों और निरंतर दी गई समझाइश का ही परिणाम था कि परिजन अंततः सर्जरी के लिए राजी हुए, जिसके बाद ललित को तत्काल बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

कलेक्टर बस्तर आकाश छिकारा के विशेष दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाते हुए इस केस को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सेवा योजना और जिला प्रशासन के कुशल समन्वय से 24 मार्च को जिला महारानी अस्पताल जगदलपुर में डॉ सरिता थॉमस द्वारा ललित का सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन संपन्न हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद और जिला कार्यक्रम प्रबंधक कुमारी रीना लक्ष्मी के मार्गदर्शन में मेडिकल टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। इस पुनीत कार्य में नेत्र सहायक अधिकारी कुमारी दिव्या पाण्डे, सुंकर अमृत राव, देवकरण व्यास सहित वार्ड इंचार्ज अन्नपूर्णा साहू और स्टाफनर्स स्मृता कच्छ व नमिता मौर्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही ऑपरेशन थिएटर में सहायक डोलेश्वर जोशी की सक्रियता ने इस पूरी प्रक्रिया को सुगम बनाया। ऑपरेशन के बाद जब ललित की आंखों से पट्टी हटाई गई, तो उसके चेहरे पर आई चमक ने पूरी मेडिकल टीम की मेहनत को सफल कर दिया। अब ललित न केवल अपनी आंखों से दुनिया को देख पा रहा है, बल्कि अपने परिजनों और आसपास की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से पहचानने भी लगा है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की इस संवेदनशीलता ने एक मासूम के जीवन से अंधेरा मिटाकर एक परिवार के घर में उम्मीद का दीया जला दिया है।

स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के तकनीकी सहयोग से बच्चों में गैर-संचारी रोगों पर राज्य स्तरीय परामर्श आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बच्चों में बढ़ते गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), विशेषकर बाल मधुमेह, सिकल सेल रोग एवं जन्मजात हृदय रोग की रोकथाम, शीघ्र पहचान तथा प्रभावी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रायपुर में संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन किया गया। इस परामर्श का मुख्य उद्देश्य राज्य में बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना, बहु-विभागीय समन्वय को बढ़ावा देना तथा गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं सुदृढ़ रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों में एनसीडी की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियों एवं भावी प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने शीघ्र पहचान, दवाओं की सतत उपलब्धता, उपचार अनुपालन तथा मजबूत रेफरल तंत्र को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। सिकल सेल रोग प्रबंधन हेतु जशपुर मॉडल को एक प्रभावी एवं अनुकरणीय पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया। पैनल चर्चाओं में बाल मधुमेह एवं सिकल सेल रोग के समग्र प्रबंधन, निजी क्षेत्र की भागीदारी, सामुदायिक सहयोग तथा सामाजिक कलंक को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। समूह कार्य के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्क्रीनिंग बढ़ाने, उपचार अनुपालन सुधारने तथा सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाने हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में AIIMS रायपुर एवं पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञों के साथ-साथ भारतीय चिकित्सा संघ (IMA) एवं भारतीय शिशु रोग अकादमी (IAP) के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में, एकम फाउंडेशन के सहयोग से किया गया।

तकनीकी सत्रों में डॉ. खेमराज सोनवानी (उप संचालक, सिकल सेल), डॉ. वी.आर. भगत (उप संचालक, शिशु स्वास्थ्य)एवं सुबोध धर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सलाहकार उपस्थित रहे। परामर्श में ट्राइबल वेलफेयर विभाग, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधियों की सहभागिता से बहु-विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ किया गया। सहयोगी संस्थाओं की ओर से विश्व स्वास्थ्य संगठन, संगवारी, क्लिंटन फाउंडेशन, ह्वस्टह्व, प्रतिनिधि जुवेनाइल डायबिटीज तथा पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय योगदान दिया।

इस राज्य स्तरीय परामर्श में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही राज्य के उच्च प्राथमिकता वाले 8 जिलों—रायपुर, कांकेर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, महासमुंद, रायगढ़ एवं राजनांदगांव से जिला स्तर के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें जिला एनसीडी नोडल अधिकारी, सिकल सेल नोडल अधिकारी तथा एनसीडी सलाहकार/सहायक नोडल अधिकारी शामिल थे। इन प्रतिनिधियों ने अपने-अपने जिलों के अनुभव साझा करते हुए जमीनी स्तर की चुनौतियों एवं संभावित समाधान प्रस्तुत किए।

अंत में प्रतिभागियों ने राज्य में बच्चों हेतु एनसीडी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा बहु-विभागीय समन्वय के माध्यम से कार्ययोजना को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने की सहमति व्यक्त की गई। कार्यक्रम को सहयोग करने तथा सफल बनाने के लिए राज्य द्वारा यूनिसेफ की सराहना की गई और भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम को करने के लिए विशेष सहयोग के लिए कहा गया।

आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण आवश्यक - डॉ. कुसमरिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे सांख्यिकीय विभाग को सौंपा जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर प्रतिवर्ष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा देशभर के पिछड़ा वर्ग आयोगों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर साझा मुद्दों और प्रस्तावों पर चर्चा की जाए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभागार में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आयोग के कार्यों की समीक्षा की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विविध रूप में देखने को मिलती है। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत लाल मटियारा, उपाध्यक्ष डॉ. लखन धीवर, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आयोग की संरचना, शक्तियों तथा प्राप्त शिकायतों एवं जाति समावेशन से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली जिंदगी- दशोदा धीवर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग को पक्का घर प्रदान करती है। यह योजना वित्तीय सहायता, ब्याज सब्सिडी और घर निर्माण/खरीद के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य सभी के लिए किफायती आवास सुनिश्चित करना है। बेमेतरा जिला के ग्राम पंचायत सरदा, जनपद पंचायत बेरला की निवासी दशोदा धीवर के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने नई उम्मीद, सुरक्षा और सम्मान का संचार किया है। वर्ष 2024-25 में स्वीकृत उनका आवास 20 अगस्त 2025 को पूर्ण हुआ, जिससे उनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हो गया।

आवास मिलने से पूर्व श्रीमती धीवर का परिवार कच्चे दीवारों और घास-फूस की छत वाली जर्जर झोपड़ी में रहता था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकता था और दीवारें कमजोर पड़ जाती थीं। तूफान के दौरान घर गिरने का भय बना रहता था, जिससे उन्हें पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ती थी। हर मौसम उनके लिए कठिनाइयों से भरा हुआ था।

दशोदा धीवर दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। अनिश्चित आय के कारण रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी चुनौतीपूर्ण था। ऐसे में पक्के घर का सपना उनके लिए लगभग असंभव प्रतीत हो रहा था।

आवास निर्माण की प्रक्रिया में उन्हें कई औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ीं, जैसे बैंक खाता खुलवाना और आवश्यक दस्तावेज तैयार करना। शासन द्वारा सहायता राशि किस्तों में सीधे उनके खाते में भेजी गई, जिससे पारदर्शिता बनी रही। स्थानीय अधिकारियों के मार्गदर्शन और ग्रामीणों के सहयोग से उन्होंने निर्माण कार्य प्रारंभ किया। लागत कम करने के लिए स्वयं श्रमदान कर उन्होंने धीरे-धीरे अपने सपनों का घर तैयार किया।

लिटिल फैन के साथ मुस्कुराती नजर आई श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो में श्रद्धा अपने लिटिल फैन से प्यार से मिलती नजर आ रही हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां भी जाती हैं, उनके फैंस वहां पहुंच जाते हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में श्रद्धा अपने कई फैंस से प्यार से मिलती नजर आ रही हैं, लेकिन अपने लिटिल फैन से मिलने पर श्रद्धा बेहद खुश नजर आईं।

श्रद्धा कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में श्रद्धा अपने कई फैंस से मिलती नजर आ रही हैं। लेकिन लिटिल फैन से मिलने पर श्रद्धा बेहद खुश नजर आईं। पैपराजी ने श्रद्धा की लिटिल फैन के साथ कई तस्वीरें भी खींची। लिटिल फैन के साथ श्रद्धा का यह वीडियो उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

फैंस के कमेंट्स

श्रद्धा कपूर के फैंस उनका यह वीडियो बेहद पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी राय पेश कर रहे हैं। श्रद्धा के एक फैन ने लिखा, 'बॉलीवुड की बहुत ही प्यारी अभिनेत्री हैं।'

दूसरे फैन ने लिखा, 'बहुत प्यारा'

एक और फैन ने लिखा, 'श्रद्धा अपने नन्हे फैन के साथ बेहद क्यूट दिख रही हैं'

श्रद्धा के इस वीडियो पर उनके कई फैंस ने लाल दिल वाला और फायर इमोजी बनाया है।

'ईथा' में नजर आएंगी श्रद्धा

श्रद्धा कपूर एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी। जिसका नाम 'ईथा' है। यह प्रसिद्ध मराठी लोक कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक्स फिल्म करेगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। यह फिल्म 1950-1980 के दशक के महाराष्ट्र की संस्कृति और 'तमाशा' लोक कला को दर्शाएगी। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भी मुख्य भूमिका में हैं।

नई वेब सीरीज 'मां का सम' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी स्ट्रीम

मोना सिंह और मिहिर आहूजा की नई वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। इस सीरीज का नाम 'मां का सम' है। जानिए इस सीरीज को आप कब और कहां देख सकेंगे।

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज

'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडिय रिलीज हो रही है।

इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडेंट है। वह पूरी दुनिया को नंबर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

अगस्त्य अपनी मां के लिए एक परफेक्ट पति ढूंढने का प्लान बनाता है। वह इसे 'प्रोजेक्ट मॉम' नाम देता है। शुरू में यह सिर्फ एक लॉजिकल प्लान होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह एक मजेदार, भावुक और दिल छू लेने वाली कहानी बन जाती है।

'अभिनेता हूं फैशन आइकन नहीं', सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने फैशन को लेकर सेलेब्स पर पड़ने वाले दबाव को लेकर बात की। जानिए उन्होंने बताया क्या है उनका प्रमुख मकसद.....

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।

फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आलिया भट्ट और कृति सेनन से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने अभिनय के बाद निर्माण में कदम रखा है। इनमें से कुछ अभिनेत्रियों ने इस क्षेत्र में सफलता भी हासिल की है।

आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

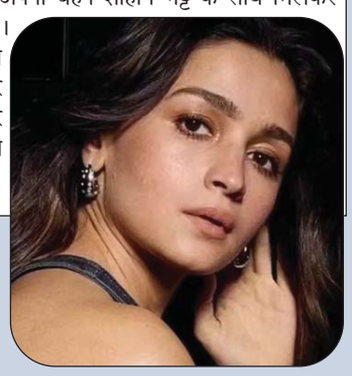

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

कृति सेनन

कृति ने ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स शुरू किया ताकि उन्हें अपनी मर्जी से फिल्में बनाने की आजादी मिले। उनकी पहली सीरीज 'दो पत्ती' का निर्माण किया था, जो एक रहस्यमयी थ्रिलर थी। कृति महिला केंद्रित गहरी और रहस्य भरी कहानियां बनाने में रुचि रखती हैं।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'एनएच10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

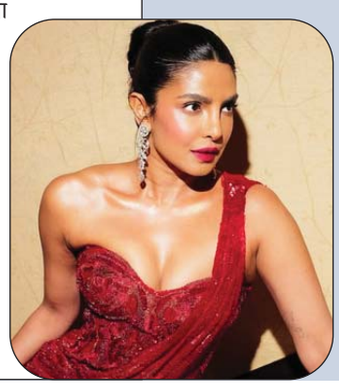

कंगना रणौत

कंगना अपनी कंपनी के जरिए बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्में बनाती हैं जैसे 'इमरजेंसी'। 2026 में भी वे 'भारत भाग्य विद्धता' जैसी फिल्मों पर काम कर रही हैं। अब वह खास व्यक्तियों पर आधारित ऐतिहासिक और राजनीतिक फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाती और बनाती हैं।

करण जौहर के 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का हिस्सा होंगी नेहा धूपिया?

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।'

अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

'द ट्रेटर्स' की शूटिंग फिलहाल राजस्थान में चल रही है। कई मशहूर हस्तियों के नाम संभावित प्रतियोगियों के तौर पर ऑनलाइन सामने आ रहे हैं। नेहा का नाम भी शो में शामिल होने की अफवाहों में था। लेकिन फिलहाल अब नेहा धूपिया ने इस शो का हिस्सा होने से साफ इनकार कर दिया है।

चर्चा में है इन हस्तियों का नाम

'द ट्रेटर्स' के संभावित कंटेस्टेंट में कई हस्तियों के नाम चर्चा में बने हुए हैं। इनमें लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा कथित तौर पर 'द ट्रेटर्स' में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वैरायटी इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके अलावा रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, मुनव्वर फारूकी और मल्लिका शेरावत इस सीजन के बड़े नामों में शामिल हैं। यूट्यूब पर्सनैलिटी फुकरा इंसान (अभिषेक मल्हान) और कॉमेडियन कुल्लू का भी नाम शामिल है।

दोपहर में झपकी लेने से आप दिन भर रहेंगे ऊर्जावान, जानिए कैसे

दोपहर की झपकी हर किसी के लिए जरूरी है, जिससे आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। दोपहर की नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसके जरिए काम करने की क्षमता को भी बढ़ाया जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी दोपहर की झपकी को अधिकतम लाभकारी बना सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

सही समय चुनें

दोपहर की झपकी लेने के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर दोपहर एक से 3 बजे के बीच में झपकी लेना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर की ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस होती है। सही समय पर झपकी लेने से काम करने की क्षमता भी बढ़ती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं।

आरामदायक स्थान बनाएं

झपकी लेने के लिए एक आरामदायक स्थान चुनें, जहां शांति हो और रोशनी कम हो। अगर आप ऑफिस में हैं तो किसी खाली कमरे का उपयोग कर सकते हैं या डेस्क पर सिर झुकाकर आराम कर सकते हैं। घर पर बिस्तर या सोफे का उपयोग करें, जहां आपको पूरी तरह से आराम मिले। इसके अलावा, अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें, ताकि रोशनी न आए और आप बिना किसी बाधा के सो सकें।

समय का ध्यान रखें

झपकी लेते वक्त समय का ध्यान रखना न भूलें, ताकि आप समय पर उठ सकें। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप ज्यादा देर तक सो जाएंगे तो आपकी रात की नींद प्रभावित हो सकती है और आप अगले दिन थका हुआ महसूस करेंगे। समय का ध्यान रखने से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी 20-30 मिनट से ज्यादा न हो, जिससे आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

गहरी सांस लें

झपकी लेते समय गहरी सांस लेना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है। गहरी सांस लेने से शरीर में ताजी हवा का स्तर बढ़ता है, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गहरी सांस लेने से मानसिक तनाव भी कम होता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

नियमितता बनाए रखें

झपकी लेने की आदत को नियमित बनाए रखना जरूरी है। हर दिन एक ही समय पर झपकी लेने से आपका शरीर उसे पहचानने लगता है और आसानी से सो जाता है। नियमितता से आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इस प्रकार, दोपहर की झपकी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

खास खबर

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए कक्षा 9 वीं में प्रवेश का सुनहरा अवसर

सुकमा। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलते हुए सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश के लिए प्राक्कयन परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट एवं एनडीए की सघन तैयारी कराई जाती है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में प्रयास आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अधिक जानकारी के लिए में संपर्क किया जा सकता है। सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 अप्रैल निर्धारित की गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव, ओपीडी परामर्श के लिए 'आभा आईडी' अनिवार्य

सुकमा। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। अब जिले के सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए 'आभा आईडी' (आयुष्मान कार्ड) अनिवार्य कर दी गई है। बिना इस आईडी के मरीजों का ओपीडी पंजीकरण नहीं किया जाएगा। क्यों लिया गया यह निर्णय? जिला प्रशासन के अनुसार, इस अनिवार्यता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों और आम नागरिकों को 'आयुष्मान कार्ड' बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। 'आभा आईडी' न केवल सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मददगार है, बल्कि यह मरीज के संपूर्ण मेडिकल इतिहास को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने का एक क्रांतिकारी जरिया भी है। आभा कार्ड होने के मुख्य फायदे इस डिजिटल कार्ड के बन जाने से मरीजों को कई तरह की सहूलियतें मिलेंगी। कागजी झंझट से मुक्ति अब इलाज के लिए हर जगह भारी-भरकम फाइलें, पुरानी रिपोर्ट या पर्चियां ले जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड इसमें आपका ब्लड ग्रुप, पुरानी बीमारियाँ, दवाइयां और डॉक्टर से जुड़ी सभी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। कहीं भी साझा करें अपनी लैब रिपोर्ट और डायग्नोसिस को किसी भी अस्पताल, क्लीनिक या बीमा कंपनी के साथ आसानी से साझा किया जा सकेगा। ऑनलाइन सुविधाएं इस कार्ड के जरिए टेलीमेडिसिन, ई-फार्मेसी और पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी आधुनिक सुविधाएं सुलभ होंगी। बीमा का लाभ कार्ड को बीमा कंपनियों से जोड़ा गया है, जिससे क्लेम की प्रक्रिया सरल और तेज होगी।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को विकास की नई दिशा देते हुए 6 करोड़ रुपए से अधिक से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात दी। स्थानीय हॉकी खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन पहुंचकर कार्यों का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से किए जा रहे ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सौगात बोड़ला के आने वाले वर्षों को विकास की दिशा प्रदान करेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बोड़ला नगर में अब बांध से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जहां पानी फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्ध होकर घर-घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इसे नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति बताया और कहा कि ग्रेविटी आधारित यह जल व्यवस्था न केवल सुविधाजनक है, बल्कि टिकाऊ और प्रभावी भी है। पेयजल की बेहतर व्यवस्था और नगर को उन्नत बनाना शासन की प्राथमिकता है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में कभी नक्सली जंगलों में बंदूक लेकर घूमते थे, लेकिन अब नक्सल पुनर्वास नीति के तहत वे मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग पहले हिंसा के रास्ते पर थे, वे आज लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के लिए विधानसभा तक पहुंच रहे हैं और वहां की कार्यवाही देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को प्रदेश में मजबूती से लागू किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस दिशा में कार्य करने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 600 से अधिक पुनर्वासित नक्सली विधानसभा का भ्रमण कर चुके हैं और लोकतंत्र की प्रक्रिया को करीब से समझ रहे हैं, जबकि ढाई हजार से अधिक नक्सली पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार बाहरी व्यक्ति की पहचान के लिए सुनियोजित प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक जिले में टास्क फोर्स का गठन किया गया और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बाहरी व्यक्ति का चिन्हांकन कर उनकी पहचान सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला में 512.56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 02 में 146.83 लाख रुपए की लागत से उन्नत (हॉकी) खेल मैदान निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 10 में विवेकानंद तालाब से निकासी नाला तक 48.95 लाख रुपए की आर.सी.सी. नाली एवं कांस कल्वर्ट निर्माण, 28.53 लाख रुपए की लागत से शौचालय निर्माण, 6.00 लाख रुपए से सामुदायिक भवन के पास प्रवेश द्वार निर्माण तथा 18.20 लाख रुपए से सामुदायिक भवन का अतिरिक्त निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य शामिल हैं। इसी क्रम में 97.42 लाख रुपए से राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग मंदिर से स्टेडियम तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण, 13.80 लाख रुपए से ओवरहेड टैंक निर्माण, 4.62 लाख रुपए से शेड निर्माण, 8.90 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक (फुटपाथ) निर्माण, 6.40 लाख रुपए से विवेकानंद तालाब के पास हॉल निर्माण, 9.27 लाख रुपए से हाई मास्ट लाइट स्थापना, 72.74 लाख रुपए से एन.एच.-30 पुलिया से विवेकानंद सरोवर तक नाली एवं रोड चौड़ीकरण, 46.90 लाख रुपए से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 06 में 4.00 लाख रुपए से चौक निर्माण कार्य शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर 90 लाख रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

इसके अंतर्गत 73.44 लाख रुपए से निर्मित डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्वसुविधायुक्त भवन का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 10.00 लाख रुपए की लागत से यादव समाज के पास निर्मित सामुदायिक भवन तथा 6.50 लाख रुपए से वार्ड क्रमांक 14 में साहू समाज के पास पानी टंकी के समीप निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया गया। इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर पंचायत बोड़ला में नागरिकों को बेहतर आधारभूत एवं सामुदायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 30.41 करोड़ रुपए की सड़क परियोजना को मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास को बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के बीरपुर (एनएच-43) से केवरा तक लगभग 18 किलोमीटर लंबाई की सड़क चौड़ीकरण एवं पुलिया निर्माण कार्य के लिए 3041.18 लाख रुपए (लगभग 30.41 करोड़ रुपए) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार उक्त सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण, पुलिया निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, भूमि उपलब्धता, निविदा प्रक्रिया तथा समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इस सड़क परियोजना से बीरपुर से केवरा तक आवागमन सुगम होगा और ग्रामीण क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजमार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। स्थानीय व्यापार, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सड़क सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे।

विशेष बच्चों के लिए गहन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार आज सिविल अस्पताल नगरी में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मोबाइल क्रेच अंतर्गत लाइका घर में दर्ज चिन्हांकित विशेष बच्चों के लिए गहन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों के समग्र स्वास्थ्य की समयबद्ध जांच कर आवश्यक उपचार एवं पोषण सहायता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान शिशु रोग विशेषज्ञ एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जे.पी. दीवान के नेतृत्व में कुल 74 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। जांच में 15 कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र रेफर किया गया, ताकि उन्हें विशेष पोषण एवं चिकित्सकीय देखभाल मिल सके। एक जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चे का फॉलोअप भी किया गया, जिसे पूर्व में चिरायु टीम द्वारा चिन्हांकित किया गया था। शिविर में 61 बच्चों का रक्त परीक्षण किया गया, जिसमें 6 बच्चों का हीमोग्लोबिन स्तर 7 ग्राम से कम पाया गया। इनमें से 2 बच्चों को ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी गई। इस प्रकार अनीमिया से प्रभावित 60 बच्चों को मौके पर ही आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया तथा उनके पालकों को संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों एवं नियमित जांच के संबंध में विस्तृत काउंसलिंग दी गई। इसके अतिरिक्त 11 बच्चों का रैंडम ब्लड शुगर परीक्षण एवं 15 बच्चों का सिकल सेल परीक्षण किया गया।

शिक्षा के क्षेत्रों में नई अलखः नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े 123 स्कूल फिर से गुलजार

इन क्षेत्रों में बंदूक की गूंज की जगह स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई और किताबों की सरसराहट दे रही है सुनाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख, सरकार और सुरक्षाबलों की पहल से जगी है, दुर्गम इलाकों में मॉडल स्कूल, 'नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं और समर्पित शिक्षकों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जो अब फर्राटेदार अंग्रेजी बोलकर और तकनीकी कौशल सीखकर अपना भविष्य संवार रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुदूर क्षेत्रों में अब शिक्षा का उजाला फिर से फैलने लगा है। शासन के सतत प्रयासों और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही योजनाओं के कारण सुकमा जिले में बंद पड़े स्कूलों को पुनः संचालित किया गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिली है। अब इन क्षेत्रों में बंदूक की गूंज की जगह स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई, ककहरा और किताबों की सरसराहट सुनाई दे रही है, जो एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य का संकेत है। वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के चलते सुकमा जिले के कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे, जिनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक विद्यालय शामिल थे। प्रशासन के लगातार प्रयासों से अब इन सभी स्कूलों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में जिले में एक भी ऐसा विद्यालय नहीं है जो नक्सल प्रभाव के कारण बंद हो। नक्सल आतंक से कभी छूटा था स्कूल, अब सुशासन से फिर जागी शिक्षा की अलख,उम्मीदों को मिल रहा सहारा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भय के कारण बंद हुए स्कूल फिर से खुल रहे हैं। स्कूल छोड़ चुके बच्चों की स्कूल में वापसी हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शिक्षा का उजियारा बस्तर क्षेत्र की हर दिशा में फैल रहा है। जमीनी स्तर पर हो रहे ये सकारात्मक बदलाव न केवल बच्चों के भविष्य को संवार रहे हैं, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विश्वास और विकास की नई नींव भी रख रहे हैं। शासन द्वारा पहले और अब की तस्वीरों के माध्यम से इस परिवर्तन को प्रमाणित किया गया है।

नियद नेल्ला नार योजना से नई शुरुआत

वर्ष 2024-25 में नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत सुकमा जिले के चयनित गांवों में 07 नए प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं, जिनमें अब तक 210 बच्चों ने प्रवेश लिया है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा 19 और नए विद्यालय खोलने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे शिक्षा का दायरा और अधिक विस्तृत होगा।

बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार

शिक्षा के विस्तार और छात्रों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए जिले में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। वर्तमान में 16 पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र अध्ययनरत हैं। इसके साथ ही 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 (कक्षा 6वीं से 12वीं) के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं तथा टाइप-4 (कक्षा 9वीं से 12वीं) के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मधुमक्खी पालन शहद, मोम और पराग उत्पादन के लिए एक अत्यंत लाभदायक कृषि-आधारित व्यवसाय है। भारत में वैज्ञानिक तकनीक से मधुमक्खियों को बक्सों में पालकर, मौसमी फूलों के अनुसार स्थानांतरित कर बड़े पैमाने पर शहद निकाला जाता है, जो किसानों की आय बढ़ाने का एक प्रमुख साधन है। मधुमक्खी पालन अपनाने पर किसानों की आय में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

कृषि आधारित आय को सुदृढ़ करने और किसानों को अतिरिक्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले भर से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिला पंचायत सीईओ बलरामपुर नयनतारा सिंह तोमर ने कहा कि वर्तमान समय में किसानों को पारंपरिक एकल फसल पद्धति को आगे बढ़ते हुए फसल विविधिकरण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि धान के साथ-साथ दलहन, तिलहन एवं मधुमक्खी पालन जैसे कृषि आधारित व्यवसाय अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उप संचालक कृषि रामचंद्र भगत ने फसल चक्र एवं विविधिकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे उत्पादन लागत कम होती है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को भी कम किया जा सकता है। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. जी. के. निगम ने बताया कि मधुमक्खी पालन एक लाभकारी व्यवसाय है, जिसे कम पूंजी और सीमित श्रम में शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जलवायु इस व्यवसाय के लिए अनुकूल है, जिससे लघु एवं सीमांत किसानों को आय का बेहतर विकल्प मिल सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्राध्यापक डॉ. जी. पी. पैकरा ने वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन एवं गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन की विस्तृत जानकारी दी। उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता श्री परमेश्वर गोरे ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अलावा मोम, रॉयल जेली और प्रोपोलिस जैसे बहुमूल्य उत्पाद भी प्राप्त होते हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। विशेषज्ञ डॉ. सचिन जायसवाल ने बताया कि पारंपरिक खेती के साथ मधुमक्खी पालन अपनाने पर किसानों की आय में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। वैज्ञानिक श्री अनिल कुमार सोनपाकर ने तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

अनुभवी मधुमक्खी पालक कृषक श्री बैद्यनाथ ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किसान अपने खेत में 5 से 10 मधुमक्खी पेटियां स्थापित कर आसानी से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने अन्य किसानों को भी इस व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण में भाग लेने वाले किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस जिला स्तरीय प्रशिक्षण में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वैज्ञानिकों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत 19 वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी नई रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत जिले के 19 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए आज रायगढ़ से रायपुर स्थित एम्स के लिए रवाना किया गया।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक शिवशंकर पांडेय ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से 22 जनवरी को आशा निकेतन वृद्धाश्रम, कौहाकुण्डा रायगढ़ में विशेष जांच एवं चिन्हांकन शिविर आयोजित किया गया था।

इस शिविर में डे-केयर सेंटर सियान गुड़ी जतन केंद्र परिसर, आशा निकेतन वृद्धाश्रम तथा आर्य विद्या सभा सलखिया वृद्धाश्रम लैलूंगा सहित आसपास क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विस्तृत जांच के बाद 19 वरिष्ठ नागरिकों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया।

खास खबर

देशी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ पकड़ाया बदमाश

धमतरी। धमतरी की थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने मरादेव मंदिर, गौरव पथ के पास से एक युवक को देशी पिस्टल तथा 11 नग जिंदा कारतूस के साथा पकड़ा है। बता दें कि धमतरी पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए गुंडा-बदमाशों, निगरानी बदमाशों एवं चाकूबाजों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मरादेव मंदिर, गौरव पथ के पास अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। जिसकी सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। तलाशी के दौरान युवक के पास से एक देशी पिस्टल तथा 11 नग जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आरोपी से उक्त हथियारों के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किन्तु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोपी के विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में धारा 25आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर रिमांड पेश पर जेल भेजा गया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई अपराध दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, धमकी एवं आर्म्स एक्ट के मामले शामिल है।

घरेलू विवाद पर डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

जांजगीर चांपा। जिले के पामगढ़ थानाक्षेत्र के हिर्री केवट मोहल्ले में घरेलू विवाद को लेकर अपने डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चे को ईट के टुकड़े से मारकर गंभीर चोट पहुंचाने तथा मासूम की मौत हो जाने के मामले में आरोपी पिता पर हत्या का अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिता के विरूद्ध धारा 103 (1), 115(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्यवाही की गई है। आरोपी शिवाजी निषाद अपने लड़का अनुराग को गोद में लेकर जल्दी - जल्दी एक खंडहर मकान की ओर जाने लगा जिसे देखकर प्रार्थिया सीता बाई निषाद, शिवाजी के पीछे -पीछे गई तो देखी शिवाजी अपने लड़का अनुराग को खंडहर मकान में ईट के टुकड़ा से सिर पर बार-बार हत्या करने की नीयत से मार रहा था जिसे देखकर प्रार्थिया ने मनाकर बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा प्रार्थिया के सिर पर भी ईंट के टुकड़े से हमला किया गया। तब प्रार्थिया अपने नाती अनुराग को शिवाजी के कब्जे से छुड़ाकर घर लाई और घटना के बारे में घर वालों को बताकर गंभीर रूप से घायल मासूम बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में मासूम अनुराग की मृत्यु हो गई। जिसके बाद मामले की शिकायत पामगढ़ थाने में की गई।

शिवनाथ में डूबे बालक का शव झाड़ियों के बीच मिला

राजनांदगांव। राजनांदगांव पनेका में शिवनाथ नदी में डूबे 15 साल के बालक का शव बरामद कर लिया गया है। शव झाड़ियों के बीच फंसा हुआ था। जिसे पीएम के बाद पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया है। 15 वर्षीय मो. जैद अपने अपने दोस्तों के साथ पनेका घूमने गया था। चार दोस्त नाव सवार होकर नदी के गहराई वाले हिस्से में गए थे। जहां सभी ने नाव से ही नदी में छलांग लगा दी। तीन बालक तैरकर बाहर आ गए। मो. जैद गहराई वाले हिस्से में डूब गया। मंगलवार रात तक तलाश किए। बुधवार सुबह 7 बजे मो. जैद का शव नदी किनारे झाड़ियों के फंसा मिला। पुलिस मर्ग कायम कर मामल की जांच कर रही है।

जगदलपुर सेंट्रल जेल से कैदी फरार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर के सेंट्रल जेल में बंद एक कैदी जेल की दीवार फांदकर भाग गया है। जेल प्रशासन और पुलिस कैदी की तलाश में है। जेल समेत आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। एसपी शलभ सिन्हा ने कैदी के भागे जाने की पुष्टि की है। दरअसल, मामला बुधवार की देर शाम का है। फिलहाल कैदी का नाम और वह किस जुर्म में जेल में था इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

अहमदाबाद के ठगों ने खोला था ठगी का 'कॉल-सेंटर'

मास्टर माइंड विकास शुक्ला-संजय शर्मा की तलाश में जुटे अफसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी अब साइबर ठगों का नया गढ़ बनती जा रही है। रायपुर पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने शहर के दो प्रमुख कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में चल रहे कॉल सेंटर्स पर रेड मारकर 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे खेल के मास्टरमाइंड अहमदाबाद के शातिर ठग हैं।

आरोपियों का नाम पुलिस द्वारा अहमदाबाद निवासी विकास शुकला और संजय शर्मा बताया जा रहा है। आरोपियों की तलाश में अफसर जुटे है। आरोपियों के ऑफिस-फ्लैट किराए में देने वाले मकान मालिकों से पुलिस पूछताछ करेगी।

ऑफिस के अलावा फ्लैट भी किराए में लिया था आरोपियों ने

पुलिस के मुताबिक, इस पूरे सिंडिकेट के सरगना अहमदाबाद निवासी विकास शुक्ला और संजय शर्मा हैं। इन दोनों ने ही रायपुर के पिथालिया कॉम्प्लेक्स और अंजनी टावर में बाकायदा ऑफिस किराए पर लिए थे।

आरोपियों ने 'पाम बेलागियो' में एक लग्जरी फ्लैट भी ले रखा था। मास्टरमाइंड खुद रायपुर नहीं रुकते थे; वे कुछ दिनों के अंतराल पर आते, मैनेजरों को टारगेट और निर्देश देते और वापस अहमदाबाद लौट जाते थे। फिलहाल पुलिस इन दोनों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि ये ठग भारत के समय के अनुसार रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक सक्रिय रहते थे, क्योंकि उस समय अमेरिका में दिन होता था।

आरोपियों के पास व्हाट्सएप पर अमेरिकी नागरिकों का पूरा डेटा आता था, जिन्होंने वहां के चार बड़े बैंकों से लोन ले रखा था। वे कॉल करके अमेरिकी नागरिकों को डराते थे कि उनका सिबिल स्कोर (CIBIL) खराब हो गया है या उनकी किस्त जमा नहीं हुई है। डराने के बाद वे उनके खातों की जानकारी लेते और चाइनीज एप के माध्यम से ऑनलाइन चेक जनरेट कर लाखों डॉलर की चपत लगा देते थे।

30 हजार में इंचार्ज, 15 हजार में कॉलर

पुलिस ने कॉल सेंटर्स के तीन मुख्य प्रभारियों को भी दबोचा है। आरोपियों का नाम रोहित यादव, सौरभ सिंह और गौरव यादव बताया जा रहा है।

रोहित यादव और सौरभ सिंह पिथालिया कॉम्प्लेक्स के कॉल सेंटरों के मैनेजर थे। इसी तरह से गौरव यादव अंजनी टावर में बने कॉल सेंटर का मैनेजर था। इंचार्जों को 30 हजार रुपए महीना और कॉल करने वाले युवाओं को 15-20 हजार रुपए आरोपियों द्वारा दिया जा रहा था।

हिंदी में लिखी इंग्लिश स्क्रिप्ट से ठगी

हैरानी की बात यह है कि कॉल सेंटर में काम करने वाले अधिकांश कर्मचारी केवल 12वीं पास हैं और उन्हें अंग्रेजी का ठीक से ज्ञान भी नहीं है।

उन्हें ट्रेनिंग के दौरान बकायदा कागज पर हिंदी में लिखकर दिया जाता था कि अंग्रेजी में क्या और कैसे बोलना है। वे उसी कागज को देखकर अमेरिकी नागरिकों से बात करते थे। अगर कोई ग्राहक पेचीदा सवाल पूछता, तो वे तुरंत कॉल अपने 'सीनियर' को ट्रांसफर कर देते थे। इन युवाओं को ठगी की कला सिखाने के लिए दो महीने की विशेष ट्रेनिंग दी गई थी।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में हादसा ट्रेलर पलटने से मजदूर की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के रजगामार चैकी क्षेत्र में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में बुधवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। गिट्टी खाली करते समय ट्रेलर का हाइड्रोलिक जैक टूटने से वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 25 वर्षीय समन्स उर्फ निराले के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला था और कोरबा में मजदूरी कर रहा था। बताया जा रहा है कि वह पास खड़े ट्रेलर की स्टेपनी बदलवा रहा था, तभी अचानक हादसा हो गया और उसकी जान चली गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, जिससे मजदूरों में आक्रोश फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना अचानक हुआ कि बचाव का मौका नहीं मिल सका।

मौके पर मौजूद मजदूरों ने आरोप लगाया कि यह दुर्घटना साइट पर लापरवाही के कारण हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है।

फर्जी एमबीबीएस डिग्री बनाने वाली युवती गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पोस्ट ऑफिस में नौकरी दिलाने और फर्जी डिग्री बनाने के नाम पर 2 करोड़ 34 लाख रुपए की ठगी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस बार पुलिस ने साक्षी सिंह को पकड़ा है, जो फर्जी एमबीबीएस और बीएएमएस डिग्री तैयार करने का काम करती थी। सिविल लाइन थाना पुलिस के मुताबिक, पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ और लिंकेज के आधार पर साक्षी सिंह का नाम सामने आया। इनपुट मिलने के बाद पुलिस टीम ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया।

3 मोबाइल जब्त किए गए

पूछताछ में साक्षी सिंह ने स्वीकार किया कि

2.34 करोड़ की ठगी केस में एक और गिरफ्तारी, 5 आरोपी गिरफ्तार

वह अपने एक साथी के साथ मिलकर पुणे की डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी के नाम से फर्जी एमबीबीएस और बीएएमएस डिग्री तैयार कर गिरोह को उपलब्ध कराती थी। पुलिस ने उसके कब्जे से 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

17 फरवरी दर्ज कराई थी शिकायत

दरअसल, इस मामले में 17 फरवरी 2026 को संजय निराला ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने पोस्ट ऑफिस में नौकरी दिलाने और फर्जी सर्टिफिकेट देने के नाम पर उनसे और उनके रिश्तेदारों से 2.34 करोड़ रुपए ठग लिए।

4 आरोपियों की हो चुकी है गिरफ्तारी

इस केस में पहले ही 4 आरोपी भुनेश्वर बंजारे, नरेश मनहर, हीरा दिवाकर और राकेश रात्रे गिरफ्तार किया जा चुका है। अब साक्षी सिंह की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रायगढ़ में शराबी ने नाबालिग से की गंदी-हरकत

पीड़िता ने धक्का देकर खुद को बचाया, कोर्ट ने सुनाई 5 साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक शराबी युवक ने रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर नाबालिग के साथ गंदी हरकत की। किसी तरह नाबालिग ने आरोपी को धक्का देकर खुद को बचाया और वहां से भागकर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश किया। मामले की सुनवाई के बाद पॉक्सो एक्ट के तहत न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 साल के कारावास की सजा सुनाई है।

दरअसल, पीड़िता की मां ने 9 जुलाई 2025 को महिला थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 11 वर्षीय नाबालिग बेटी है। 8 जुलाई की रात करीब 10 बजे गांव में रहने वाला 23 वर्षीय चैतराम पाव शराब के नशे में उनके घर पहुंचा। वह नशे में लड़खड़ा रहा था।

इसे देखकर पीड़िता की मां ने अपनी बेटी से कहा कि वह चैतराम को उसके घर तक छोड़ आए। कुछ देर बाद पीड़िता रोते हुए घर लौटी और अपनी मां को बताया कि रास्ते में निर्माणाधीन पानी टंकी के पास पहुंचने पर चैतराम पाव ने उसे जबरदस्ती पास की झोपड़ी में ले गया और उसके साथ गंदी हरकत करने लगा।

घटना के दौरान नाबालिग ने आरोपी का विरोध किया और उसे धक्का देकर किसी तरह वहां से भागकर अपने घर पहुंच गई। इसके बाद पीड़िता की मां ने महिला थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

आरोपी को सुनाई गई सजा

प्रकरण में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। पॉक्सो कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र साहू ने आरोपी को 5 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 6 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया गया।

पूर्व मंत्री के फॉलो गाड़ी से हुई टक्कर, बाइक सवार 2 की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा बस्तर थाना क्षेत्र के बालेंगा पेट्रोल पंप के पास हुआ, जहां रायपुर से जगदलपुर आ रही एक फॉलो वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, बाइक पर सवार कमलेश और रामप्रसाद किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही फॉलो गाड़ी ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक उछलकर सामने से आ रहे ट्रेलर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए बोलेरो चालक को घेर लिया।

सूचना मिलते ही बस्तर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फॉलो वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया और यह हादसा हो गया। हालांकि, पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि संबंधित फॉलो वाहन एक जनप्रतिनिधि जो पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता के काफिले का हिस्सा थी, जो रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रहे थे।

छेड़छाड़ के मामले में युवक गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा थाना पुलिस ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ करने तथा मना करने पर उसके साथ गाली-गलौच करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार बलौदा थाने में एक यक युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जयप्रकाश यादव नामक युवक ने रात्रि में सूनेपन का फ यदा उठाकर कर छेड़छाड़ करने का प्रयास किया तथा उसके द्वारा मना करने पर युवक ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया। रिपोर्ट पर थाना बलौदा में युवक के खिलाफ धारा 74, 296, 351(3) बीएनएस कायम कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी जय प्रकाश यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

9वीं के छात्र ने पेड़ से लटककर दी जान, इलाके में शोक का माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत धूरी पारा मंगला इलाके में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव घर की छत पर लगे आम के पेड़ से लटका मिला।

मृतक की पहचान अरविंद पटेल के रूप में हुई है। परिवार के मुताबिक, अरविंद पिछले कुछ समय से पढ़ाई से दूरी बना रहा था और करीब दो महीनों से स्कूल भी नहीं जा रहा था। परिजनों का यह भी कहना है कि वह हाल के दिनों में गलत संगत में पड़ गया था और नशे करने वाले साथियों के साथ समय बिताने लगा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

होटल संचालक पर एफआईआर दर्ज, 17 सिलेंडर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर के कड़े निर्देशों के बाद जिले में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में खाद्य विभाग की टीम ने धमतरी नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में औचक दबिश दी।

इस जांच अभियान का नेतृत्व सहायक खाद्य अधिकारी भेलेन्द्र कुमार ध्रुव, निलेश चन्द्राकर और खाद्य निरीक्षक वैभव कोरटिया ने किया। जांच के दौरान शांति कॉलोनी स्थित 'मालिक केटर्स' में बड़ी अनियमितता उजागर हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, इस प्रतिष्ठान के पास 40 नग

व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का कनेक्शन दर्ज है। हालांकि, मौके पर जांच करने पर केवल 23 खाली व्यावसायिक सिलेंडर ही पाए गए। शेष 17 सिलेंडरों के बारे में जब संचालक महेश कुमार रंगलानी से पूछताछ की गई, तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

सिलेंडरों के इस बड़े अंतर को देखते हुए प्रशासन ने व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की आशंका जताई है। इसके चलते संचालक के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 की कंडिका 03 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर 23 नग इण्डेन व्यावसायिक सिलेंडर जप्त कर लिए गए हैं।

गौरतलब है कि जिले में अब तक घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ कुल 34 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जा चुकी है, जिसके तहत अब तक 73 सिलेंडर जप्त किए गए हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले होटलों और संस्थानों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

अवैध डीजल भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3100 लीटर डीजल जब्त

धमतरी। जिले में अवैध रूप से पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते मंगलवार की शाम थाना प्रभारी कुरुद को प्राप्त शिकायत के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरुद के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कुरुद-धमतरी मार्ग स्थित सर्वेश्वर ऑटो फ्यूल्स, कुरुद में औचक निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान पेट्रोल पम्प के पीछे बने स्टोर रूम एवं परिसर में संदिग्ध रूप से डीजल का भंडारण पाया गया। निरीक्षण में 4 ड्रम पूर्ण भरे हुए, 2 ड्रम आधे भरे हुए, 32 खाली ड्रम तथा 2 मिनी टैंकर वाहनों में लगभग 2100 लीटर डीजल पाया गया। इस प्रकार कुल लगभग 3100 लीटर डीजल अवैध रूप से संग्रहित होना प्रारंभिक जांच में सामने आया। संयुक्त जांच दल द्वारा मौके पर ही उक्त पेट्रोलियम उत्पाद एवं संबंधित सामग्री को प्रारंभिक रूप से जब्त कर लिया गया। साथ ही, संपूर्ण प्रकरण का प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन तैयार कर अनुविभागीय अधिकारी कुरुद को प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर आवश्यक अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शादी की जिद में युवक चढ़ा मोबाइल टावर पर

अंबिकापुर। अंबिकापुर के लुंड्रा थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक अपनी पसंद की लड़की से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक करीब चार घंटे तक टावर पर बैठा रहा और लगातार हंगामा करता रहा। बताया जा रहा है कि युवक बार-बार लड़की से शादी कराने की जिद कर रहा था। उसने चेतावनी दी कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो वह टावर से कूदकर आत्महत्या कर लेगा। इस घटना के चलते मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और युवक को समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

खास खबर

जगदलपुर-रायपुर फ्लाइट 31 मार्च से फिर होगी शुरू

जगदलपुर। जगदलपुर में लंबे समय से बंद पड़ी हवाई सेवा एक बार फिर शुरू होने जा रही है। एलायंस एयर ने घोषणा की है कि 31 मार्च से हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर सेक्टर पर नियमित फ्लाइट सेवा शुरू की जाएगी। यह सेवा 29 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल के तहत शुरू होगी। हालांकि, दूसरी ओर जगदलपुर-जबलपुर-दिल्ली फ्लाइट सेवा को बंद कर दिया गया है। सोमवार को इस रूट पर अंतिम उड़ान संचालित हुई।

अंबिकापुर से दिल्ली के लिए मिलेगी डायरेक्ट फ्लाइट

रायपुर। अंबिकापुर के लोगों के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि अब यहां से दिल्ली जाना आसान हो जाएगा। अंबिकापुर से दिल्ली के लिए सीधी फ्लाइट सेवा शुरू हो रही है। यह फ्लाइट सोमवार और बुधवार को चलेगी जो अंबिकापुर से बिलासपुर होते हुए दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। यह फ्लाइट अंबिकापुर से दोपहर में 12 बजे चलेगी और बिलासपुर होते हुए 2 बजकर 30 मिनट पर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच जाएगी।

बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम : अरुण साव

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजा रघुराज सिंह स्टेडियम, बिलासपुर में स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय रात्रिकालीन ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि बिलासपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। शहर में खेल सुविधाओं के विकास के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) से चर्चा हुई है।

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का मुख्यमंत्री साय ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ की धरती बुधवार को एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित है। इसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9

खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि 'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों ने खेलों को नई दिशा दी है। देश की 65 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी में अपार क्षमता है और अब खेल प्रतिभाएं केवल शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों से भी उभर रही हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज ने सदैव देश को वीरता और परिश्रम की प्रेरणा दी है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह आयोजन जनजातीय प्रतिभाओं को विश्व मंच तक ले जाने का सशक्त माध्यम बनेगा और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों का लाभ प्रदेश के खिलाड़ियों को मिलेगा।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, इंद्र कुमार साव, महापौर मीनल चौबे, मुख्य सचिव विकासशील सहित अन्य जनरायिनिधि, अधिकारीगण, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (पहला दिन) : कर्नाटक के धनीश और ओडिशा की अंजलि ने जीता स्वर्ण ; छत्तीसगढ़ ने भी खोला खाता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कर्नाटक के धनीश एन और ओडिशा की अंजलि मुंडा ने बुधवार को यहां इंटरनेशनल स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में पुरुष और महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026' के पहले दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

स्विमिंग में पहले दिन कर्नाटक का दबदबा रहा, जहां उसने छह में से पांच स्वर्ण पदक जीते। वहीं मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी महिला और पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान की शुरुआत की।

इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भाग ले रहे हैं, जिसमें करीब 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती सहित कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है।

शीर्ष पर रहा कर्नाटक

पहले दिन के बाद कर्नाटक सात पदकों (पांच स्वर्ण सहित) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। ओडिशा चार पदकों (एक स्वर्ण) के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ दो पदकों के साथ चौथे स्थान पर है।

पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में धनीश ने 2:03.55 सेकंड का समय निकालकर अपने ही राज्य के कीर्तन शरथ (2:10.99 सेकंड) को लगभग सात सेकंड से पीछे छोड़ा। महाराष्ट्र के भक्तिश कुमरे (2:14.73 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

धनीश ने कहा, यह मेरा पहला खेलो इंडिया गेम्स है और इन खेलों का पहला स्वर्ण जीतना मेरे लिए बेहद खास है। मुझे लगता है कि मैं इससे बेहतर समय निकाल सकता था, लेकिन मैं खुश हूं।

महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल में ओडिशा ने स्वर्ण और कांस्य जीता। अंजलि मुंडा ने 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर बेहद करीबी मुकाबले में कर्नाटक की निधि एस (2:39.09 सेकंड) को पछाड़ा। ओडिशा की श्रिया पडियामी (2:49.04 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहीं।

इसके बाद कर्नाटक ने बाकी स्पर्धाओं में दबदबा कायम रखा, जहां मणिकांत एल और मेघांजलि ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में दो-दो स्वर्ण पदक जीते।

मणिकांत ने पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 1:07.41 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र के पलाश ठाकुर (1:11.69 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि छत्तीसगढ़ के निखिल झालको (1:11.77 सेकंड) ने कांस्य पदक जीतकर मेजबान राज्य का खाता खोला।

मणिकांत ने इसके बाद 50 मीटर बटरफ्लाई में भी 27.06 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। असम के फिरमिनो एमोन लालुंग (27.69 सेकंड) और त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (28.48 सेकंड) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते।

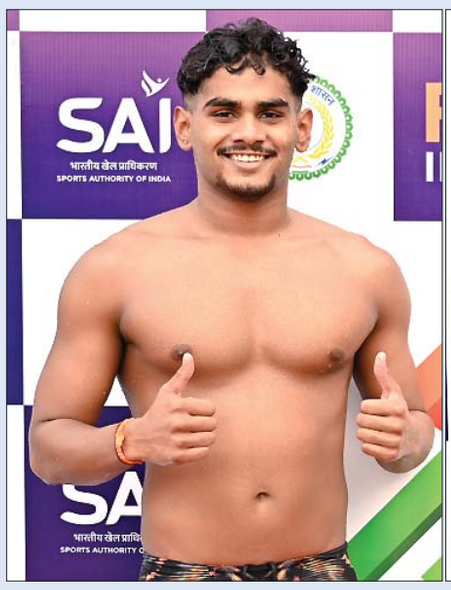

फाइनल परिणाम (तैराकी)

महिला वर्ग :

200 मीटर फ्रीस्टाइल: स्वर्ण - अंजलि मुंडा (ओडिशा) 2:39.02; रजत - निधि एस (कर्नाटक) 2:39.09; कांस्य - श्रिया पडियामी (ओडिशा) 2:49.04

100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक: स्वर्ण - मेघांजलि (कर्नाटक) 1:25.81; रजत - अनुष्का भगत (छत्तीसगढ़) 1:29.10; कांस्य रिंकी मुर्मू (ओडिशा) 1:34.70

50 मीटर बटरफ्लाई: स्वर्ण - मेघांजलि (कर्नाटक) 34.67; रजत - तिलुत्तम जमातिया (त्रिपुरा) 34.85; कांस्य - रितिका मिन्ज (ओडिशा) 35.54 सेकंड

फाइनल परिणाम (तैराकी)

पुरुष वर्ग :

200 मीटर फ्रीस्टाइल: स्वर्ण - धनीश एन (कर्नाटक) 2:03.55; रजत - कीर्तन शरथ (कर्नाटक) 2:10.99; कांस्य - भक्तिश कुमरे (महाराष्ट्र) 2:14.73

100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक: स्वर्ण - मणिकांत एल (कर्नाटक) 1:07.41; रजत - पलाश मनोज ठाकुर (महाराष्ट्र) 1:11.69; कांस्य - निखिल झालको (छत्तीसगढ़) 1:11.77

50 मीटर बटरफ्लाई: स्वर्ण - मणिकांत एल (कर्नाटक) 27.06; रजत - फिरमिनो एमोन लालुंग (असम) 27.69 सेकंड; कांस्य - रियाज त्रिपुरा (त्रिपुरा) 28.48 सेकंड

होली से पहले किसानों को तो नवरात्रि में साय सरकार ने थामा भूमिहीन कृषि श्रमिकों का हाथ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 18 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ा है।

श्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि भूमिहीन कृषि मजदूरों को दी जा रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। साथ ही तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुन: संचालन तथा रामलला दर्शन एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाओं के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि कोरोना काल में लंबित बिलों के निपटान हेतु विशेष छूट एवं आसान किस्तों की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह योजना जून तक संचालित होगी और प्रदेशभर में इसके लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

बीजापुर से प्रथम यूपीएससी चयनित बने अंकित सकनी

बीजापुर। भैरमगढ़ निवासी अंकित सकनी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (यूपीएससी) में सफलता हासिल कर इतिहास रच दिया। वे बीजापुर जिले के पहले ऐसे छात्र बने हैं जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार के सदस्यों ने उनके गृह निवास भैरमगढ़ पहुंचकर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस दौरान संघ परिवार ने नव चयनित अधिकारी अंकित को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आरएसएस के विभाग प्रचारक महेंद्र नायक ने कहा कि अंकित सकनी की यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो पूरे बीजापुर के लिए गर्व की बात है। संघ के सदस्यों ने उनके परिवारजनों को भी बधाई देते हुए उनके सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही अंकित को नई जिम्मेदारियों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन के लिए प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ फिल्मोद्योग : स्क्रिप्ट समिति का होगा गठन, फिल्म निर्माण क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

कला-संस्कृति और सिनेमा के समन्वय पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन की अध्यक्षता में स्क्रिप्ट समिति के गठन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश में फिल्म निर्माण की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत को सिनेमा के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखी जा रही है।

संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने सिनेमा और संस्कृति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

बैठक में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. राजन यादव, ललित कला अकादमी नई दिल्ली के फोटो अधिकारी अभिमन्यु सिन्हा, प्रसार भारती आकाशवाणी रायपुर से पद्मश्री डॉ. राधेश्याम तारक तथा प्रसार भारती दूरदर्शन रायपुर के कार्यक्रम अधिकारी पी.के. पाठक उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मुंबई से फिल्म अभिनेता भगवान तिवारी ने भी अपनी भागीदारी निभाते हुए फिल्म निर्माण के व्यावहारिक पहलुओं और संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

संस्कृति विशेषज्ञों ने स्थानीय कलाकारों, लेखकों और तकनीकी विशेषज्ञों को जोड़कर एक समग्र फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही, छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और जनजीवन को फिल्म के माध्यम में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने पर जोर दिया। इससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान को बल मिलेगा।

बैठक में सदस्य सचिव के रूप में उप संचालक उमेश मिश्रा ने समन्वय की भूमिका निभाई।

बैठक के दौरान स्क्रिप्ट समिति के गठन की रूपरेखा, कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। इस समिति का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोककथाओं, ऐतिहासिक प्रसंगों, जनजीवन और परंपराओं पर आधारित सशक्त और गुणवत्तापूर्ण पटकथाओं को प्रोत्साहित करना है, ताकि स्थानीय विषयवस्तु पर आधारित फिल्मों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।

अध्यक्ष सुश्री मोना सेन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अपार रचनात्मक संभावनाएं हैं, जिन्हें सिनेमा के माध्यम से सशक्त मंच प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्क्रिप्ट समिति का गठन स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। विशेषज्ञों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए सुझाव दिया कि स्थानीय कलाकारों, लेखकों और तकनीकी विशेषज्ञों को जोड़कर एक समग्र फिल्म पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही, छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और जनजीवन को फिल्म के माध्यम में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया। बैठक से प्रदेश की कला, संस्कृति और सिनेमा को एक नई मिलेगी स्क्रिप्ट समिति के गठन से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान और अधिक व्यापक रूप से स्थापित हो सकेगी।

पीटीआई पर महिला को अश्लील प्रस्ताव का आरोप

बालोद। जिले के डौंडी स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ पीटीआई नरेंद्र सिंह ठाकुर पर एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार और अश्लील प्रस्ताव देने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर डौंडी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, महिला अपने घर के पास से गुजर रही थी, तभी आरोपी शिक्षक ने उसे 500 रुपये देकर संबंध बनाने का प्रस्ताव रखा। इस दौरान उसने कथित तौर पर महिला से आपत्तिजनक और अश्लील बातें भी कीं। घटना से आहत महिला तुरंत थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(1)(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जा सकती है।

महिला बाल विकास मंत्री ने 600 छात्राओं को दिखाई द केरल स्टोरी-2, बेटियों में जागेगी सुरक्षा की भावना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले में विभिन्न महाविद्यालयों की लगभग 600 छात्राओं को सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' दिखाई गई।

लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में बेटियों को शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को समाज में घटित होने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों की जानकारी मिलना जरूरी है, ताकि वे सही निर्णय लेने में सक्षम बन सकें और अपने जीवन को सुरक्षित एवं सशक्त दिशा दे सकें। उन्होंने कहा कि बेटियों का आत्मविश्वास और जागरूकता ही उनके सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता करते हुए सामाजिक मुद्दों पर आधारित इस फिल्म को देखा और महत्वपूर्ण संदेशों से अवगत हुईं।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और पहलों के जरिए बेटियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की हर बेटी शिक्षा, सुरक्षा और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़े तथा समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने फिल्म के माध्यम से सामाजिक विषयों को समझने और स्वयं को सतर्क एवं आत्मविश्वासी बनाने की बात कही। उन्होंने मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें जीवन में जागरूक और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, महाविद्यालय के प्राध्यापक, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950